मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 157
शुक्रवार, 19 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

विपक्ष ने जी राम जी विधेयक को ग्रामीण रोजगार खत्म करने वाला कदम बताया, भाजपा ने इसकी सराहना की

नई दिल्ली, 18 नई दिल्ली। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने लोकसभा में विकसित भारत-जी राम जी विधेयक पारित होने के बाद इसे ग्रामीण रोजगार खत्म करने वाला विधेयक करार दिया और सरकार पर महात्मा गांधी से नफरत करने का आरोप लगाया। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधेयक की सराहना करते हुए कहा कि इससे जनकल्याण होगा तथा ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को विपक्ष के विरोध के बीच विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 को पारित कर दिया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, इस विधेयक से मनरेगा खत्म होने जा रहा है। हम इस विधेयक का पूरी तरह से विरोध करेंगे। इस पर सभी विपक्षी पार्टियां सहमत हैं। उन्होंने दावा किया कि 100 दिन से 125 दिन की मजदूरी वाली बात सिर्फ एक चालाकी है, क्योंकि विधेयक पढ़ने पर किसी को भी यह समझ आ जाएगा कि मनरेगा को खत्म किया जा रहा है। प्रियंका गांधी ने कहा, जैसे ही बजट का बोझ राज्य सरकारों पर पड़ेगा, वैसे ही धीरे-धीरे मनरेगा बंद हो जाएगा क्योंकि राज्यों के पास पैसे नहीं हैं।

उनका कहना था कि मनरेगा योजना देश के गरीब से गरीब लोगों के लिए रोजगार का सहारा थी, जो कोरोना महामारी जैसे मुश्किल हालात में भी उनके साथ थी। उन्होंने कहा, विधेयक गरीबों, मजदूरों के खिलाफ है, हम इसका सख्त विरोध करेंगे। समाजवादी पार्टी के सांसद

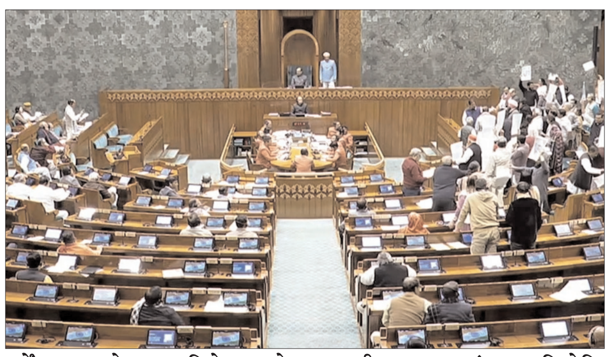

धर्मेंद्र यादव ने कहा, विधेयक को बिना सहमति के पारित कराया गया। जिस तरह से महात्मा गांधी का नाम हटाया गया, उससे साफ है कि भाजपा के लोग और यह सरकार बापू से नफरत करती है। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक से अगले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना बेकार हो जाएगी। द्रमुक सांसद कनिमोझि करुणानिधि ने कहा कि यह विधेयक पूरी तरह से ग्रामीण भारत के खिलाफ है और अब केंद्र सरकार यह निर्णय लेगी कि किन लोगों और किन क्षेत्रों के लोगों को रोजगार देना है। उन्होंने कहा कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना शर्मनाक है।

वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, करीब 10 घंटे तक (लोकसभा में) चर्चा हुई और विपक्ष को बोलने का मौका दिया गया। लेकिन जब (ग्रामीण विकास मंत्री) शिवराज सिंह चौहान जवाब देने के लिए खड़े हुए तो कांग्रेस पार्टी ने कागज फाड़ना और हंगामा करना शुरू कर दिया। वे सुनने को तैयार नहीं थे। उन्होंने कहा, क्या कांग्रेस पार्टी अब अराजक हो गई है? यही राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का भविष्य है।

भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा, आज का दिन ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने एसएससी शिक्षक भर्ती की समय सीमा 8 महीने बढ़ाई

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर। देश की सर्वोच्च अदालत ने राज्य को शिक्षकों की भर्ती के लिए अतिरिक्त समय दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एसएससी शिक्षकों की भर्ती की समय सीमा बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के परिणामस्वरूप, 'पात्र' शिक्षकों को 31 अगस्त तक उनका वेतन मिलेगा। शिक्षा मंत्री ब्रात्या बसु राज्य के पक्ष में आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से खुश हैं। फैसले के तुरंत बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक संदेश पोस्ट किया। उन्होंने लिखा सुप्रीम कोर्ट ने 9वीं-10वीं और 11वीं-12वीं कक्षा के शिक्षकों की भर्ती के मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया को 31 अगस्त तक पूरा करने का आदेश दिया है, जो हमारे राज्य की माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सही मार्गदर्शन में विश्वास का एक शानदार उदाहरण है। इस अवधि के

दौरान, पूर्व शिक्षक पहले की तरह काम करना जारी रख सकेंगे। न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ के इस आदेश से स्पष्ट है कि पश्चिम बंगाल केंद्रीय विद्यालय सेवा आयोग पारदर्शिता और जवाबदेही के सही मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि भर्ती प्रक्रिया 31 दिसंबर तक पूरी होनी चाहिए। तब तक, 'योग्य' शिक्षक स्कूलों में पढ़ा सकेंगे और उन्हें वेतन भी मिलता रहेगा। हालांकि, राज्य सरकार, एसएससी और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने समय सीमा बढ़ाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में एक आवेदन दायर किया। उस याचिका के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई की। वकील कल्याण बनर्जी ने कहा राज्य, एसएससी और बोर्ड स्तर पर भर्ती प्रक्रिया चल रही थी। हमने भर्ती प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली है। हम 11वीं और 12वीं कक्षा के चयन प्रक्रिया के अंतिम परिणाम 7 जनवरी को प्रकाशित करेंगे। काउंसलिंग 15 जनवरी से शुरू होगी। 9वीं और 10वीं कक्षा की चयन प्रक्रिया मार्च के मध्य में समाप्त होगी। इसके बाद काउंसलिंग होगी।

इसलिए, समय सीमा को अगस्त के अंत तक बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। कल्याण ने आगे कहा कि उस याचिका के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा अगस्त तक बढ़ा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि जो शिक्षक इससे प्रभावित नहीं हैं, वे अगले अगस्त तक काम कर सकेंगे।

ममता बनर्जी ने केंद्र पर निशाना साधा

कोलकता, 18 दिसम्बर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 20 साल पुराने मनरेगा का नाम बदलकर ह्यविकसित भारत-जी राम योजना करने के कदम को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार अपने ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेगी। बनर्जी ने यहां आयोजित एक व्यापार और उद्योग सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कुछ राजनीतिक दल हमारे राष्ट्रीय महापुरुषों का सम्मान करने में विफल रहते हैं, तो वह हम करेंगे।

हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा का नाम नहीं लिया। बनर्जी की ओर से यह घोषणा ऐसे समय आयी जब लोकसभा ने विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 पारित कर दिया जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम

(मनरेगा) का स्थान लेगा। बनर्जी ने धन धान्य सभागार में आयोजित कारोबारी बैठक को संबोधित करते हुए कहा, मुझे शर्म महसूस होती है कि उन्होंने मनरेगा योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने का फैसला किया है, क्योंकि मैं भी इसी देश की हूं। अब हम राष्ट्रपिता तक को भूला रहे हैं।

उन्होंने कहा, अब हम अपने राज्य की कर्मश्री योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेंगे। कर्मश्री योजना के तहत राज्य सरकार का दावा है कि लाभार्थियों को 75 दिनों तक काम उपलब्ध कराया जाता है, जबकि बनर्जी के अनुसार केंद्र सरकार ने मनरेगा के तहत धनराशि रोक रखी है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि राज्य का लक्ष्य भविष्य में कर्मश्री योजना के तहत कार्यदिवसों की संख्या बढ़ाकर 100 करने का है। उन्होंने कहा, हमने कर्मश्री के तहत पहले ही अपने संसाधनों से कई कार्यदिवस सृजित किए हैं। भले ही केंद्र की निधि रोक दी जाए, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि लोगों को काम मिले। हम भिखारी नहीं हैं।

सरकार - जनता के बीच विश्वास की डोर है सूचना विभाग : विशाल सिंह

♦ सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यों को सरल भाषा में आम जनमानस तक पहुँचाना सूचना अधिकारियों का मूल दायित्व है

सुरेश गांधी

लखनऊ। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक विशाल सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सूचना विभाग केवल सरकारी सूचनाओं का वाहक नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु है। डिजिटल और आधुनिक तकनीक के इस युग में सूचना का स्वरूप जितना तेज हुआ है, उतनी ही उसकी जिम्मेदारी भी बढ़ी है। ऐसे समय में तथ्यपरक, समयबद्ध और संतुलित सूचना ही लोकतंत्र को सुदृढ़ करती

है।

सूचना निदेशालय के सभागार में आयोजित मुख्यालय एवं जनपदीय सूचना अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए निदेशक सूचना ने कहा कि विभागीय कार्यप्रणाली में एकरूपता, पारदर्शिता और सक्रियता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यों को सरल भाषा में आम जनमानस तक पहुँचाना सूचना अधिकारियों का मूल दायित्व है।

उन्होंने कहा कि भ्रामक और नकारात्मक खबरों के दौर में तथ्य ही सबसे बड़ा हथियार है। सूचना अधिकारियों को सजग रहकर अफवाहों और दुष्प्रचार पर सतत निगरानी रखते हुए प्रमाणिक तथ्यों के साथ प्रभावी जवाब देना होगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और आधुनिक प्रचार माध्यमों का बेहतर उपयोग कर व्यापक जनसंपर्क स्थापित किया जाए। निदेशक सूचना ने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और नेतृत्वकारी भूमिका के साथ अपने-अपने जनपदों में कार्य करें। बीते आठ वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों की सही तस्वीर जनता तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करना सूचना विभाग की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यशाला में अपर निदेशक अरविन्द कुमार मिश्र ने कहा कि विकास योजनाओं पर आधारित सक्सेज स्टोरी और सकारात्मक उदाहरण जनता में विश्वास बढ़ाने का सशक्त माध्यम हैं।

उन्होंने कहा कि जनपदीय कार्यालयों को और अधिक सुदृढ़ व सुव्यवस्थित किया जाएगा, ताकि अधिकारी बिना किसी बाधा के कार्य कर सकें। वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी संजय कुमार सिंह ने विभागीय बजट और वित्तीय नियमों की जानकारी दी। अंत में सहायक निदेशक चन्द्र मोहन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यशाला सूचना विभाग को नई दिशा और दृष्टि देने वाली सिद्ध होगी। यह कार्यशाला इस संदेश के साथ संपन्न हुई कि सूचना की शक्ति तभी सार्थक है, जब वह सत्य, संवेदनशीलता और जनहित से जुड़ी होकृऔर इसी मूल भावना के साथ सूचना विभाग आगे बढ़ेगा।

अल्पसंख्यक देश की मजबूती, विकास में सहभागिता अनिवार्य

शिक्षा से सशक्त होगा अल्पसंख्यक समाज : सरवर सिद्दीकी

भदोही। अल्पसंख्यक दिवस के अवसर पर गुरुवार को मदरसा अरबिया मदीनतूल इल्म, पीरखापुर (भदोही) में आयोजित कार्यक्रम में मदरसा के अध्यापक, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश एवं भाजपा नेता सरवर सिद्दीकी ने अल्पसंख्यक समाज की भूमिका, अधिकार और दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समाज भारत की सांस्कृतिक विविधता की ताकत है और देश की प्रगति में उसकी सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा ही वह माध्यम है, जिसके जरिए अल्पसंख्यक समाज आत्मनिर्भर बन सकता है और मुख्यधारा में सशक्त भूमिका निभा सकता है।

श्री सिद्दीकी ने कहा कि मदरसे केवल धार्मिक शिक्षा तक सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा से भी जुड़ें,

ताकि छात्र-छात्राएं समय की मांग के अनुसार स्वयं को तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार अल्पसंख्यक छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, कौशल विकास और स्वरोजगार से जुड़ी अनेक योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ समाज को अवश्य उठाना चाहिए।

पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की मंशा है कि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। अल्पसंख्यक समाज के युवाओं को चाहिए कि वे शिक्षा, कौशल और मेहनत के बल पर आगे बढ़ें और राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें। उन्होंने छात्रों और छात्राओं से आह्वान किया कि वे अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ पढ़ाई करें। देश को आगे बढ़ाने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है और अल्पसंख्यक समाज का युवा भी इस जिम्मेदारी से पीछे नहीं है। कार्यक्रम के अंत में मदरसा प्रधानाचार्य हसीन सिद्दीकी एवं प्रबंधन द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। अल्पसंख्यक दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता, शिक्षा और विकास के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

दिल्ली ब्लास्ट केस में 9वीं गिरफ्तारी

दिल्ली। दिल्ली बम धमाके के मामले में एक अहम घटनाक्रम में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के एक निवासी को गिरफ्तार किया है, जो इस मामले में नौवीं गिरफ्तारी है। अधिकारियों के अनुसार, उसे आत्मघाती हमलावर उमर-उन-नबी का करीबी सहयोगी माना जाता है।

गिरफ्तारी के बाद, दार को गुरुवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। मामले में दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने दार को 26 दिसंबर तक राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। गौरतलब है कि दार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अदालत में पेश किया गया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (विशेष एनआईए न्यायाधीश) अंजू बजाज चंदना ने एजेंसी के वकील की दलीलें सुनने के बाद दार को एनआईए की हिरासत में भेज दिया।

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस-20 दिसंबर, 2025

मानव एकजुटता से ही बचेगा मानव-सभ्यता का अस्तित्व

-ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में घोषित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूक करना है, ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटा जा सके। इस दिवस को मनाते हुए मुख्य विचार है कि एकजुटता में नवाचार और प्रौद्योगिकी, युवा-नेतृत्व वाली एकजुटता औरग्रहसतत विकास लक्ष्यों के लिए एकजुटता जैसे विषयों पर केंद्रित है। आज की दुनिया एक विचित्र और विरोधाभासी दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है, तो दूसरी ओर मनुष्यों के बीच की दूरी, गरीबी, अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ता जा रहा है। युद्ध, आतंक, हिंसा, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता एवं एकजुटता दिवस न केवल एक मानवीय मूल्यों से प्रेरित समतामूलक समाज-संरचना की प्रेरणा है, बल्कि मानव जाति के लिए आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि गरीबी का उन्मूलन हो, विकास अंतिम आदमी तक पहुंचे, मनुष्य पहले मनुष्य बने, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र, धर्म, भाषा, रंग या विचारधारा से हो। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बँटती जा रही है, तब सबसे पहले मानव की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

भारतीय चिंतन ने सदियों पहले वसुधैव कुटुम्बकम का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध की आग में निर्दोष बच्चे झुलसते हैं, आतंक की छाया में सामान्य नागरिक भय के साथ जीने को मजबूर होते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभाव और भूख की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। मानव एकता का दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि जब तक मनुष्य की दृष्टि संकीर्ण रहेगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी।

आज के युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं में भी लड़े जा रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं राष्ट्रवाद के उग्र स्वर मानवता की कोमल आवाज को दबा रहे हैं। आतंकवाद इसी विकृत मानसिकता का सबसे घातक रूप है, जो न धर्म को मानता है, न मानव मूल्यों को। ऐसे में शांति की बातें करना कई लोगों को आदर्शवादी या अव्यावहारिक लग सकता है, किंतु इतिहास साक्षी है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। अस्तित्व की रक्षा केवल शांति, संवाद और सह-अस्तित्व से ही संभव है। मानव एकता दिवस इसी सत्य को वैश्विक चेतना में पुनः स्थापित करने का प्रयास है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहस्राब्दी घोषणापत्र में एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक बताया गया है, जिसके अनुसार सबसे कम पीड़ित या सबसे कम लाभान्वित लोगों को सबसे अधिक लाभान्वित लोगों से सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए, वैश्वीकरण और बढ़ती असमानता की चुनौती के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना अपरिहार्य है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा इस बात से आश्वस्त है कि गरीबी से लड़ने के लिए एकजुटता की संस्कृति और साझा करने की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। गरीबी उन्मूलन के लिए विश्व एकजुटता कोष की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की घोषणा जैसी पहलों के माध्यम से, एकजुटता की अवधारणा को गरीबी के खिलाफ लड़ाई में और सभी संबंधित हितधारकों की भागीदारी में महत्वपूर्ण के रूप में बढ़ावा दिया गया।

मानव एकजुटता का अर्थ केवल संकट के समय सहायता करना नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में संवेदनशीलता, करुणा, समानता और सहानुभूति को अपनाना है। जब हम किसी दूसरे देश के युद्ध पीड़ितों को केवल समाचार की सुर्खी मानकर आगे बढ़ जाते हैं, तब हमारी मानवता कहीं न कहीं मर जाती है। जब शरणार्थियों को बोझ समझा जाता है और गरीब देशों की पीड़ा को अनदेखा किया जाता है, तब वैश्विक एकता का विचार खोखला प्रतीत होता है। मानव एकता का संदेश यह है कि किसी भी कोने में बहाया गया रक्त, पूरी मानवता को आहत करता है और कहीं भी बहाया गया आँसू, हमारी सामूहिक असफलता का प्रतीक है। यह दिवस हमें सिखाता है कि विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भाषाएँ अलग हो, पूजा-पद्धतियाँ अलग हों, पर मनुष्य की पीड़ा, उसकी आशा और उसका सपना हर जगह एक जैसा होता है।

हिंसा और युद्ध के इस दौर में शांति की भाषा बोलना साहस का कार्य है। शांति केवल हथियारों के मौन का नाम नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान से उपजा हुआ विश्वास है। जब तक दुनिया में गहरी आर्थिक असमानता रहेगी, जब तक कुछ देशों का विकास दूसरों के शोषण पर आधारित रहेगा, तब तक वास्तविक मानव एकता संभव नहीं है। इसलिए मानव एकजुटता दिवस सामाजिक और आर्थिक न्याय की भी माँग करता है। यह याद दिलाता है कि संपन्नता का उद्देश्य केवल उपभोग नहीं, बल्कि साझेदारी है और शक्ति का उद्देश्य केवल प्रभुत्व नहीं, बल्कि संरक्षण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा, मीडिया और राजनीति मानव एकता के मूल्यों को बढ़ावा दें। बच्चों को प्रारंभ से ही यह सिखाया जाए कि दूसरे का दर्द समझना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं में वैश्विक नागरिकता की भावना विकसित हो, जिसमें वे स्वयं को केवल किसी एक राष्ट्र का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का उत्तरदायी सदस्य मानें। तकनीक का उपयोग नफरत फैलाने के लिए नहीं, बल्कि संवाद और समझ बढ़ाने के लिए हो। तभी यह दिवस केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं रहेगा, बल्कि जीवन की एक जीवंत प्रेरणा बन सकेगा।

एकजुटता का अर्थ केवल सरकारी संबंध ही नहीं, बल्कि समस्त जन कल्याण भी है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार और सामाजिक विकास संबंधी पहलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसी समतापूर्ण दुनिया का निर्माण करना है जहाँ सभी को विकास के अवसर प्राप्त हों। यह प्रतिबद्धता एकजुटता के आधारशिला के रूप में सार्वभौमिक प्रगति में गहरी आस्था को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र की एकजुटता की अवधारणा ही उसके मिशन का आधार है। सामूहिक सुरक्षा एक ऐसा सिद्धांत है जो राष्ट्रों के बीच आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर इस बात पर जोर देता है कि सदस्य देशों को सहयोग के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे राष्ट्र सशस्त्र संघर्ष या आतंकवाद जैसे किसी भी खतरे के खिलाफ एकजुट हो सकते हैं। वैश्विक चुनौतियों के परस्पर संबंध को पहचानते हुए, संयुक्त राष्ट्र गरीबी, भूख और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की वकालत करता है। एकजुटता साझेदारी के माध्यम से प्रकट होती है जो संसाधनों के बंटवारे को बढ़ावा देती है और प्रत्येक राष्ट्र के प्रयासों को मजबूत करती है। अंततः मानव एकता एवं एकजुटता दिवस हमें एक सरल किन्तु गहन सत्य की ओर लौटने का आह्वान करता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसका मनुष्य होना है। यदि हम इस पहचान को बचा पाए, तो युद्ध, आतंक और हिंसा की अंधेरी रात अपने आप छँटने लगेगी। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को व्यवहार में उतारकर ही हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जहाँ अस्तित्व भय से नहीं, विश्वास से संचालित हो; जहाँ शक्ति हथियारों में नहीं, करुणा में निहित हो; और जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ हमें एक ऐसी मानवता के रूप में याद करें, जिसने विभाजन नहीं, बल्कि एकता को चुना।

काकोरी कांड के अमर नायक शहीद अशफाक उल्ला खां

(19 दिसम्बर फांसी दिवस)

कुछ आरजू नहीं है, है आरजू तो यह है।
रख दे कोई जरा सी, खाके वतन कफन में।।

ये पंक्तियां हैं काकोरी में सरकारी खजाना लूट घटना के महानायक मां भारती के सच्चे साधक क्रांतिकारी अशफाक उल्ला खां की जो उन्हें फांसी दिए जाने के कुछ समय पूर्व लिखी थीं। लौकिक जीवन यात्रा के अंतिम समय में भी वह भारत माता की पग धूलि माथे सजाना चाहते थे। उनके जीवन का पल-पल देश की सेवा साधना को ही समर्पित था। कोई वैयक्तिक इच्छा-आकांक्षा न थी। वह न केवल हिंदू मुस्लिम एकता के एक सशक्त सेतु थे बल्कि एक ऐसे संवेदनशील शायर भी थे जिनके लेखन में ओज, देश प्रेम, शौर्य एवं पराक्रम तथा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के स्वर गुंजित होते हैं। ऐसे वीर नर-नाहर को 27 वर्ष की उम्र में फांसी की सजा हुई थी। वह सभी क्रान्तिकारियों में प्रिय थे, उनको सभी स्नेह से कुंवर जी कहा करते थे। अशफाक उल्ला खां स्वतंत्रता आंदोलन में अपना जीवन समर्पित करने वाले ओजस्वी क्रांतिकारी थे।

अशफाक का जन्म 22 अक्टूबर, 1900 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में एक जमींदार परिवार में हुआ था। पिता मोहम्मद शफीक उल्ला खां और माता मजहूरुन्निशा बेगम शिशु के जन्म पर फूले न समाये थे। अशफाक अपने भाई बहनों में सबसे छोटे थे। इन्हें घर में सभी प्यार से अच्छू बुलाते थे। बचपन से ही खेलने-कूदने, तैरने, घुड़सवारी करने, बंदूक से निशाना साधने और शिकार करने का शौक था। मजबूत ऊंची कद-काठी और बड़ी आंखों वाले सुन्दर गौरवर्णी आकर्षक व्यक्तित्व के धनी अशफाक रामप्रसाद बिस्मिल की ही भांति उर्दू के अच्छे शायर भी थे। साथ ही हिन्दी और अंग्रेजी में भी कविताएं और लेख लिखते थे।

अशफाक का परिवार बहुत पढ़ा लिखा नहीं था जबकि ननिहाल पक्ष के लोग उच्च शिक्षित और महत्वपूर्ण नौकरियों में थे। कहा जाता है कि ननिहाल के लोगों ने 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर में भारतीय सेनानियों का साथ नहीं दिया था तो लोगों ने गुस्से में उनकी कोठी में आग लगा दी थी जो आज भी जली कोठी के नाम से क्षेत्र में प्रसिद्ध है। वर्ष 1920 में अपने बड़े भाई रियासत उल्ला खां के सहपाठी मित्र रामप्रसाद बिस्मिल के सम्पर्क में आने के बाद अशफाक के मन में भी अंग्रेजों के प्रति विद्रोह की भावना भर गई और वह अंग्रेजों को देश से भगाने के लिए युवाओं को जोड़ने लगे थे। इसी बीच बंगाल के क्रान्तिकारियों से भी सम्पर्क बना और एक संगठन बनाने का निर्णय लिया गया। विदेश में रह रहे लाला हरदयाल भी बिस्मिल से सम्पर्क साधे हुए थे और संगठन बनाकर उसका संविधान लिखने का निर्देश दे रहे थे। इसी बीच अशफाक कांग्रेस दल में अपने लोगों की सहभागिता चाहते थे। इसलिए 1920 के अहमदाबाद अधिवेशन में बिस्मिल और अन्य साथियों के साथ अशफाक शामिल हुए। लौटकर भी सम्पर्क बना रहा और 1922 के गया अधिवेशन में भी जाना हुआ। लेकिन गांधी जी द्वारा बिना किसी से पूछे असहयोग आंदोलन वापस लेने से युवाओं का मन खराब हुआ और वहां से लौटने के बाद अपना एक दल बनाने की बात हुई। और तब 1924 में बंगाल से आये क्रान्तिकारियों के सहयोग से हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन अस्तित्व में आई। 1 जनवरी, 1925 को दि रिवोल्यूशनरी नाम से अंग्रेजी में चार पन्ने का एक विचार पत्रक निकाला गया जो एक प्रकार से दल का घोषणा पत्र ही था। जिसमें प्रत्येक पन्ने पर ऊपर लिखा हुआ था, चाहे छोटा हो या बड़ा, गरीब हो या अमीर, प्रत्येक को मुफ्त न्याय और समान अधिकार मिलेगा। इस पत्रक को पूरे देश के प्रमुख शहरों और सार्वजनिक स्थानों पर चिपकाया गया, ताकि अधिक से अधिक जनता पढ़ सके। दल के काम को बढ़ाने के लिए धन की आवश्यकता थी लेकिन दल को कोई भी सेठ-साहूकार चन्दा नहीं दे रहा था। संयोग से इसी बीच योगेश चन्द्र बनर्जी और शचीन्द्रनाथ सान्याल पर्चों के साथ बंगाल जाते समय पकड़ लिए गये। अब दल की पूरी जिम्मेदारी बिस्मिल और अशफाक पर आ गई। धन प्राप्ति के लिए अमीरों के यहां दो डकैती भी डाली गईं लेकिन पर्याप्त धन नहीं मिल सका और दो आम लोगों की न चाहते हुए हत्या भी हो गई। इससे बिस्मिल का मन बहुत क्षुब्ध हुआ और आईन्दा ऐसी डकैती न डालने का निश्चय कर अब सरकारी खजाना लूटने की योजना बनी। एक बैठक में बिस्मिल ने प्रस्ताव रखा कि काकोरी से ट्रेन द्वारा जाने वाले खजाने को लूटा जाये। बैठक में उपस्थित सभी साथी सहमत थे लेकिन अशफाक ने यह कहते हुए इस प्रस्ताव का जोरदार विरोध किया कि अभी हमारी ताकत अंग्रेज सरकार से सीधे लड़ने की नहीं है और खजाना लुटने के बाद पुलिस हमारे पीछे पड़ जायेगी और दल बिखर जायेगा। इस पर अशफाक को कायर और मृत्यु से डरने वाला कहा गया। अन्ततः अशफाक ने सहमति देते हुए कहा कि वह मौत से नहीं डरते और यह समय ही तय करेगा। तो योजना अनुसार 9 अगस्त की शाम को ह्य8 डाउन लखनऊ-सहारनपुर पैसेन्जर ट्रेन में 10 क्रान्तिकारी सवार हुए। जैसे ही काकोरी से खजाना लादकर ट्रेन आगे बढ़ी तो राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी ने जंजीर खींच दी। अशफाक ने लपक कर ड्राईवर की कनपटी में माउजर धर दिया। गार्ड ने मुकाबला करने की कोशिश की लेकिन बिस्मिल ने उसे जमीन पर औंधे मुंह गिरा कर काबू में कर लिया। खजाने की तिजोरी उतारी गई लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद भी ताले नहीं खुले। समय जाता देख अशफाक ने अपनी माउजर मन्मथनाथ गुप्त को पकड़ा कर घन से तिजोरी तोड़ने को पिल पड़े। अशफाक के जोरदार प्रहारों से तिजोरी में एक बड़ा छेद हो गया। चांदी के सिक्के और रुपया, जो लगभग चार हजार रुपये था, चादरों में समेटा गया और निकल गये। लेकिन जल्दबाजी में एक चादर छूट गई जो बाद में पुलिस की खोजबीन में क्रान्तिकारियों को पकड़ने का अहम जरिया बनी। इस घटना से अंग्रेज सरकार की बहुत किरकिरी हुई और क्रान्तिकारियों को पकड़ने के लिए ईनाम घोषित किये गये। पुलिस की जांच एवं खुफिया खोजबीन से पूरे देश में एक साथ 26 सितम्बर, 1925 को क्रान्तिकारियों के कई ठिकानों पर छापा मारकर 40 क्रान्तिकारियों को गिरफ्तार किया गया। लेकिन पुलिस तब भी अशफाक और चन्द्रशेखर आजाद को पकड़ने में नाकाम रही। अशफाक पुलिस को चकमा देकर नेपाल चले गये। वहां से कानपुर आकर गणेश शंकर विद्यार्थी के प्रेस में भी रहे फिर बनारस, राजस्थान, बिहार, भोपाल होते हुए दिल्ली पहुंचे। उनकी योजना पासपोर्ट बनवाकर देश से बाहर जाने की थी। लेकिन दिल्ली में जिस मित्र के घर ठहरे थे, उसके विश्वासघात के कारण खुफिया पुलिस अधिकारी इकरामुल हक द्वारा पकड़े गये। हालांकि अदालत द्वारा काकोरी काण्ड का फैसला 6 अप्रैल, 1926 को दिया जा चुका था। लेकिन अशफाक और शचीन्द्रनाथ बख्शी के विरुद्ध फिर से पूरक केस दायर किया गया। जिसका फैसला 13 जुलाई को आया जिसमें रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी और ठाकुर रोशन सिंह को फांसी एवं 16 अन्य को चार वर्ष से लेकर काले पानी तक की सजाएं दी गईं। अदालत के आदेश का पालन करते हुए 19 दिसम्बर, 1927, सोमवार को फैजाबाद जेल में अशफाक को फांसी दे दी गई। उनके अंतिम शब्द थे -

उरूजे कामयाबी पर कभी हिंदोस्तां होगा।
रिहा सैय्याद के हाथों से अपना आशियां होगा।
कभी वह दिन भी आएगा जब अपना राज देखेंगे,
जब अपनी ही जमीं होगी और अपना आसमां होगा।।

वीर शिरोमणि अशफाक उल्ला खां हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे।

(विभूति फीचर्स)

(प्रमोद दीक्षित मलय-विभूति फीचर्स)

भिवानी से इंकार, हमको चाहिए जिला हिसार

-प्रियंका सौरभ

: सिवानी की एक दशक पुरानी, न्यायसंगत पुकार

- डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रशासनिक सीमाएँ पत्थर की लकीर नहीं होतीं। वे जनता की सुविधा, सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं और क्षेत्रीय संतुलन के अनुरूप समय-समय पर पुनः परिभाषित की जाती हैं। जब कोई प्रशासनिक ढांचा लगातार जनता के लिए असुविधा का कारण बने, तब उसका पुनर्विचार न केवल आवश्यक, बल्कि शासन की संवेदनशीलता की कसौटी भी बन जाता है। सिवानी मंडी उपमंडल को लेकर जिला भिवानी से अलग होकर जिला हिसार में शामिल किए जाने की मांग इसी लोकतांत्रिक विवेक और जनहित की भावना से उपजी है। यह मांग न तो अचानक उठी है और न ही किसी राजनीतिक मौसम की उपज है। यह एक दशक से अधिक समय से चल रहा शांत, संगठित और तर्कपूर्ण जन-आंदोलन है, जिसकी जड़ें सिवानी क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक वास्तविकताओं में गहराई से धंसी हुई हैं।

इस आंदोलन की औपचारिक शुरूआत अगस्त 2016 में हुई, जब छह जागरूक नागरिकों– बड़वा के प्रमुख समाज सेवी महेंद्र लखेरा, सुनील सिंहमार (एडवोकेट), लाल सिंह ह्यलालूह्न, डॉ. सत्यवान सौरभ, सुरेंद्र भुक्कल और मुकेश भुक्कल– ने मिलकर इस प्रश्न को व्यक्तिगत असुविधा से ऊपर उठाकर जनहित के मुद्दे के रूप में सामने रखा। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यह पहल आने वाले वर्षों में सिवानी की सामूहिक चेतना का स्वर बन जाएगी। शुरूआत में यह संघर्ष कुछ बैठकों, ज्ञापनों और चचाओं तक सीमित रहा, लेकिन जैसे-जैसे आम लोगों ने अपनी रोजमर्रा की समस्याओं को इस मांग से जुड़ा पाया, वैसे-वैसे आंदोलन का दायरा बढ़ता गया। आज, लगभग दस वर्षों बाद, यह अभियान किसी समिति या व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे सिवानी उपमंडल की साझा आवाज बन चुका है।

भौगोलिक सच्चाई : नक्शे और जमीन के बीच का अंतर

किसी भी जिले या उपमंडल की प्रशासनिक संबद्धता का पहला और सबसे ठोस आधार उसकी भौगोलिक स्थिति होती है। इस कसौटी पर सिवानी का भिवानी से जुड़ाव कमजोर और हिसार से संबंध अत्यंत स्वाभाविक प्रतीत होता है। उदाहरण के लिए, बडवा से हिसार की दूरी लगभग 25 किलोमीटर है, जबकि भिवानी की दूरी करीब 70 किलोमीटर पड़ती है। यह अंतर केवल किलोमीटर का नहीं, बल्कि समय, श्रम और संसाधनों का भी है। भिवानी जाने के लिए सिवानी क्षेत्र के अनेक गांवों के लोगों को दो से तीन बसें बदलनी पड़ती हैं, जबकि हिसार के लिए प्रायः सीधी एक बस उपलब्ध होती है। यह अंतर उस आम नागरिक के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जो किसी सरकारी दफ्तर, अस्पताल या अदालत के चक्कर में पहले ही मानसिक दबाव से गुजर रहा होता है।

परिवहन व्यवस्था : सुविधा बनाम विवशता

परिवहन किसी भी क्षेत्र की जीवनरेखा होता है। सिवानी उपमंडल के संदर्भ में देखें तो यह जीवनरेखा साफ तौर पर हिसार की ओर बहती है। हिसार के लिए हर 10झ15 मिनट में बस या अन्य परिवहन साधन उपलब्ध हैं। इसके विपरीत, भिवानी के लिए कई बार एक घंटे या उससे अधिक समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। इसका परिणाम यह होता है कि भिवानी जाकर किसी कार्यालयीन कार्य को निपटाकर उसी दिन घर लौट पाना आम आदमी के लिए लगभग असंभव हो जाता है। एक दिन का काम दो दिन में बदल जाता है, जिससे न केवल समय और धन की हानि होती है, बल्कि कामकाजी वर्ग, किसानों और व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ भी पड़ता है।

प्रशासनिक और व्यावहारिक निर्भरता

व्यवहारिक जीवन में सिवानी क्षेत्र की निर्भरता भिवानी पर नहीं, बल्कि हिसार पर है। उच्च शिक्षा संस्थान, बड़े अस्पताल, विशेष चिकित्सा सुविधाएं, प्रमुख मंडियां, रोजगार के अवसर और न्यायिक संस्थान–इन सबके लिए सिवानी का नागरिक स्वाभाविक रूप से हिसार की ओर देखता है। यह स्थिति एक विडंबना को जन्म देती है, जहां प्रशासनिक आदेश भिवानी से संचालित होते हैं, लेकिन जीवन की जरूरतें हिसार से पूरी होती हैं। यही असंतुलन वर्षों से जनता की असुविधा का कारण बना हुआ है।

सामाजिक और सांस्कृतिक साम्य

सिवानी का सामाजिक और सांस्कृतिक ताना-बाना भी हिसार से अधिक मेल खाता है। पारिवारिक रिश्ते, व्यापारिक संबंध, शैक्षिक आवाजाही और सामाजिक सहभागिता–इन सभी क्षेत्रों में सिवानी का जुड़ाव हिसार से अधिक गहरा है। लोकजीवन, भाषा-शैली और सामाजिक व्यवहार में भी यह साम्य स्पष्ट दिखाई देता है। प्रशासनिक सीमाएं यदि सामाजिक वास्तविकताओं के विपरीत खींची जाएं, तो वे जनता के लिए सुविधा की बजाय बाधा बन जाती हैं। सिवानी के मामले में यही स्थिति वर्षों से बनी हुई है।

नारे की भूमिका : विचार को पहचान

हर बड़े जन-आंदोलन को एक ऐसा वाक्य चाहिए होता है, जो उसकी पूरी भावना को कुछ शब्दों में समेट दे। सिवानी आंदोलन को यह पहचान मिली नारे के रूप में–

ह्नभिवानी से है इंकार, हमको चाहिए जिला हिसार ह्न

यह नारा डॉ. सत्यवान सौरभ की कलम से निकला, और धीरे-धीरे आंदोलन की वैचारिक पहचान बन गया। यह केवल भावनात्मक उद्घोष नहीं, बल्कि सिवानी क्षेत्र की भौगोलिक सच्चाई, प्रशासनिक तर्क और जन-आकांक्षा का संक्षिप्त लेकिन सटीक बयान है। यही नारा गांव-गांव, ढाणी-ढाणी और चौपाल-चौपाल तक पहुंचा और आम लोगों की जुबान पर चढ़ गया।

शांत, लोकतांत्रिक और निरंतर संघर्ष

इस आंदोलन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही है कि यह कभी उग्र या विभाजनकारी नहीं हुआ। ज्ञापन, बैठकों, संवाद, रैलियों और शांतिपूर्ण तरीकों से अपनी बात सरकार तक पहुंचाई गई। यही कारण है कि यह आंदोलन किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि किसानों, व्यापारियों, युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों और सामाजिक संगठनों–सभी की साझा मांग बन गया। दस वर्षों की निरंतरता यह सिद्ध करती है कि यह मुद्दा क्षणिक नहीं, बल्कि स्थायी समाधान की मांग करता है।

विधानसभा क्षेत्र पर संतुलित दृष्टिकोण

जहां तक राजनीतिक प्रतिनिधित्व का प्रश्न है, आंदोलन की मांग वहां भी संतुलित और व्यावहारिक है। स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उपमंडल सिवानी यथावत रहे, और विधानसभा हल्का भी सिवानी के नाम से ही गठित किया जाए। इससे न तो क्षेत्रीय पहचान को नुकसान पहुंचेगा और न ही प्रशासनिक संतुलन बिगड़ेगा।

सरकार के लिए कसौटी

आज जब शासन ह्नईज ऑफ लिविंगह्न और ह्नईज ऑफ गवर्नेंसह्न जैसे सिद्धांतों की बात करता है, तो सिवानी का प्रश्न एक वास्तविक परीक्षा बन जाता है। यदि प्रशासनिक निर्णय जनता की रोजमर्रा की कठिनाइयों को कम नहीं कर पा रहे, तो उन्हें बदलने का साहस दिखाना ही सुशासन की पहचान है।

एक क्षेत्र की सामूहिक आकांक्षा

लगभग दस वर्षों का यह शांत, संगठित और जन-आधारित संघर्ष स्पष्ट संकेत देता है कि सिवानी की यह मांग किसी व्यक्ति, समिति या संगठन की नहीं, बल्कि एक पूरे क्षेत्र की सामूहिक आकांक्षा है। अब यह प्रश्न केवल भिवानी या हिसार का नहीं, बल्कि प्रशासनिक विवेक और जन-संवेदनशीलता का है। सरकार के लिए यह अवसर है कि वह सिवानी को उसकी भौगोलिक और सामाजिक सच्चाई के अनुरूप प्रशासनिक संबद्धता देकर यह संदेश दे कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सुनी जाती है।

भिवानी से इंकार, हमको चाहिए जिला हिसार–आज यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि सिवानी के भविष्य की घोषणा है।

सरकार को लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करना चाहिए

भारतीय जनता पार्टी, जो तीसरी बार सत्ता में है और पिछले कुछ महीनों में लगातार चुनाव जीतकर मजबूत होती जा रही है, उससे कम से कम असुरक्षा की उम्मीद तो की ही जा सकती है। फिर भी, केंद्र में पार्टी की लीडरशिप वाली सरकार आमतौर पर विपक्ष और खासकर विपक्ष के टॉप नेताओं के साथ डील करते समय छोटी सोच दिखा रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में उनके भारतीय समकक्ष द्वारा राष्ट्रपति भवन में ऑफिशियल डिनर के इनविटेशन को मना करना इसका एक उदाहरण है। न तो लोकसभा में विपक्ष के लीडर राहुल गांधी और न ही राज्यसभा में विपक्ष के लीडर मल्लिकार्जुन खरगे को ऑफिशियल डिनर के लिए बुलाया गया था। यह एक ट्रेडिशन रहा है कि सभी पार्टियों के नेताओं को लेकिन निश्चित रूप से दोनों सदनों में विपक्ष के लीडर को, ऐसी ऑफिशियल दावतों में हाई टेबल पर इनवाइट किया जाता है। यह इशारा भारतीय लोकतंत्र की ताकत को दिखाता है। मजे की बात है लेकिन एक अच्छी बात यह है कि संविधान दिवस के मौके पर हुए इवैंट के दौरान ऐसी सोच देखने को मिली। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्राइम मिनिस्टर, लोकसभा स्पीकर और लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं को एक साथ स्टेज शेयर करते हुए प्रिएंबल पढ़ते देखना अच्छा लगा। यह भी एक लंबी परंपरा रही है कि विजिट करने वाले हैड ऑफ स्टेट्स अपने ऑफिशियल विजिट के दौरान टॉप विपक्षी नेताओं से मिलते हैं। पुतिन के विजिट के दौरान ऐसी कोई मीटिंग न होने का कारण यह बताया जा रहा है कि विजिटिंग डैलीगेशन को अप्वाइंटमैंट और विजिट का यात्रा कार्यक्रम तय करना होता है। हालांकि, ऐसे विजिट का यात्रा कार्यक्रम आपसी सलाह-मशविरे के बाद तय किया जाता है। दुर्भाग्य से, पिछले एक दशक से ज्यादा समय से देश की राजनीति में भाजपा की मजबूत स्थिति के बावजूद उसके नेताओं और विपक्ष के बीच अभूतपूर्व कड़वाहट है। एक-दूसरे को बुरा-भला कहना, राजनीतिक विरोधियों को अपमानित करने की कोशिश करना, बेबुनियाद आरोप लगाना और एक-दूसरे का मजाक उड़ाना अब आम बात हो गई है न कि कोई अपवाद।

जहां राहुल गांधी जैसे कांग्रेस नेता ह्यचौकीदार चोर है या वोट चोरी जैसे नारे लगा रहे हैं, जिनका मतदाताओं पर ज्यादा असर नहीं हो रहा है, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा उन्हें अपमानजनक तरीके से पप्पू कह रही है और आम तौर पर विपक्षी नेताओं को नीचा दिखा रही है। ऐसे कई और उदाहरण हैं जिनमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला करते समय मयार्दा की सारी हदें पार कर दीं। हालांकि, इन व्यक्तिगत हमलों पर आधिकारिक राष्ट्रीय कार्यक्रमों या मामलों के दौरान विचार नहीं किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति भवन द्वारा विपक्षी नेताओं को न्यौता न देना जबकि कांग्रेस के एक नेता शशि थरूर को आमंत्रित किया गया जो विदेश मामलों की संसदीय समिति के प्रमुख हैं लेकिन जो फिलहाल कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के निशाने पर हैं, इससे बचा जाना चाहिए था। यह और भी ज्यादा अवांछनीय था क्योंकि हाल ही में मोदी सरकार ने ऑप्रेशन.ा सिंदूर पर भारत का नजरिया दुनिया के सामने रखने के लिए विपक्षी नेताओं से संपर्क किया था। सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल देश के रुख के बारे में अपने नेताओं को जानकारी देने के लिए विभिन्न देशों में गए थे। राष्ट्रीय हितों के लिए एकजुट रुख अपनाने के लिए यह सरकार और विपक्ष दोनों की ओर से सराहनीय था। अतीत में ऐसे कई उदाहरण रहे हैं जब सरकार ने विपक्षी नेताओं को साथ लिया और यहां तक कि उन्हें देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए भी कहा। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव द्वारा तत्कालीन विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी को संयुक्त राष्ट्र में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजना, अतीत में सभी पक्षों द्वारा बनाए गए आपसी सम्मानजनक संबंधों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। वास्तव में ऐसे उदाहरण भी रहे हैं जब विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया, जैसा कि आपातकाल के दौरान किया गया था लेकिन हाल के वर्षों को छोड़कर देश में ऐसे उदाहरण दुर्लभ रहे हैं। लोकसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. की प्रमुख स्थिति को देखते हुए, यह भी उम्मीद की जाती है कि सत्ताधारी गठबंधन विपक्ष को अपने विचार व्यक्त करने के लिए अधिक समय और जगह दे।

भारत मैं छिपे घुसपैठियों की अब खैर नही?

-विक्रम दयाल

भारत में छिप कर घुसपैठिये कई जगहों पर रहते हैं। जिनमें से कुछ प्रमुख स्थान उत्तर प्रदेश का लखनऊ, गोरखपुर, बनारस, नोएडा बिजनौर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिले हैं। उत्तर प्रदेश में बंग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या काफी अधिक है। लखनऊ मैं ही लगभग पचास हजार बांग्लादेशी घुसपैठिये हैं, जबकि प्रयागराज में इनकी संख्या तीस हजार के लगभग है। वाराणसी में पंद्रह और कानपुर मैं पैतालिस हजार के आसपास बांग्लादेशी घुसपैठिये हैं। उत्तर प्रदेश के लगभग हर जिले में बांग्लादेशी घुसपैठिये पाये गये हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इन घुसपैठियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी है। सरकार ने डिटेंशन सेंटर बनाने का आदेश दिया है, जहाँ इन घुसपैठियों को रखा जाएगा। इसके अलावा, सरकार ने इन घुसपैठियों कि पहचान करने के लिए विशेष अभियान चलाया है। पश्चिम बंगालः यह घुसपैठियों का प्रमुख केंद्र है। जहाँ लगभग 57 लाख से ज्यादा अवैध घुसपैठिये रहते हैं। असम में लगभग 50 लाख अवैध घुसपैठिये है। बिहारः सीमावर्ती जिलों में तेजी से डेमोग्राफिक्स बदल रही है।

दिल्लीः कई क्षेत्रों में अवैध घुसपैठिये पाये गये हैं। उत्तराखण्डः नैनीताल, रुद्रपुर, कुमाऊँ, उधमसिंह नगर जिलों में अवैध घुसपैठिये पाये गये हैं। राजस्थान और पंजाबः पाकिस्तान सीमा से लगे क्षेत्रों में घुसपैठ की खबरें हैं। पूर्वोत्तर राज्यः असम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में घुसपैठ कि समस्याएं बनी रहती हैं। भारत में घुसपैठियों के खिलाफ कार्यवाही तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक उच्च तकनीक प्रणाली शुरू की है, जिसमें घुसपैठियों की पहचान के लिये बायोमैट्रिक डेटा का उपयोग किया जायेगा।

इस प्रणाली में फिंगरप्रिंट, फेसियल रिकागिनेशन और अन्य अनोखे पहचानकताओं का उपयोग किया

जायेगा, जिन्हें एक राष्ट्रीय नेगेटिव लिस्ट मैं संग्रहीत किया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे घुसपैठियों कि पहचान करने और देश से बाहर निकालने के लिए

सभी आवश्यक कदम उठायें। सरकार ने कहा है कि राज्य के संसाधनों का उपयोग केवल वास्तविक नागरिकों के लिए किया जाना चाहिए। इसके अलावा भारत सरकार ने ह्यआपरेशन पुश बैकह्न शुरू किया है, जिसके तहत अवैध रुप से भारत में रहने वाले बंगलादेशियों और रोहिंग्याओं को वापस भेजा जा रहा है। अबतक 742. बंगलादेशियों को वापस भेजा जा चुका है। एसआईआर जनसंख्या का अंग मानने से पहले, यह विचार करना होगा कि क्या ये लोग वास्तव में भारत के नागरिक हैं या नही। अगर

ये अवैध रूप से भारत में रह रहें हैं, तो इन्हे वापस भेजना आवश्यक है। लेकिन, अगर वे भारत में लंबे समय से रह रहें हैं और उनके पास आवश्यक दस्तावेज है, तो उन्हें नागरिकता देने पर विचार किया जा सकता है। इस मुद्दे पर एक व्यापक चर्चा और समाधान की आवश्यकता है, जिसमें सभी पक्षों कि बात सुनी जाये और एक संतुलित निर्णय लिया जाये।

पालघर रामलीला महोत्सव में स्वामीनाथ पाण्डेय के जीवन पर आधारित मंथन विशेषांक का हुआ विमोचन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के प्रतिष्ठित विप्र समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं धर्मनिष्ठ व्यक्तित्व, लोक कल्याण संस्था प्रमुख स्वामीनाथ पाण्डेय के जीवन एवं कृतित्व पर केंद्रित पुस्तक मंथन विशेषांक का भव्य विमोचन पालघर रामलीला महोत्सव के अवसर पर 17 दिसंबर 2025 को सम्पन्न हुआ।

यह विशेषांक प्रख्यात लेखक डॉ. देवेंद्र मिश्र द्वारा रचित है। पुस्तक का विमोचन देश के ख्यातिप्राप्त उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉ. सत्यनारायण काबरा तथा क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवियों के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस दौरान वक्ताओं अपने संबोधन में स्वामीनाथ पाण्डेय के सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक योगदान की सराहना की और ह्यमंथनह्व विशेषांक को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, बुद्धिजीवी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। उक्त जानकारी समाजसेवी एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी ने दी।

मुस्लिम भाइयों द्वारा गोमांस की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। आज मीरा भायंदर नगरी के सामाजिक सद्भाव के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। गाय राज्य की माता है, और उसकी गरिमा की रक्षा के लिए नयानगर (मीरा रोड) के मुस्लिम भाइयों (कुरेशी समुदाय) ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए क्षेत्र में गोमांस की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। मुस्लिम समुदाय द्वारा लिए गए इस सराहनीय और साहसी निर्णय का स्वागत करते हुए महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक आज नयानगर पहुंचे और इस निर्णय की सराहना की। नयानगर इलाके में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग रहते हैं। कुछ शरारती तत्वों द्वारा गोमांस की तस्करी की घटनाओं को जन्म देकर इस इलाके की छवि खराब करने का लगातार प्रयास किया जा रहा था। इसका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए इलाके के वरिष्ठ मुस्लिम भाइयों (कुरेशी समुदाय) ने एक संयुक्त बैठक की। इस बैठक में एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया गया कि नयानगर इलाके में किसी भी तरह से गोमांस की बिक्री की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि इस नियम का उल्लंघन करने वाले के खिलाफ न केवल कानूनी कार्रवाई की जाएगी, बल्कि समुदाय ने यह भी चेतावनी दी है कि मुस्लिम भाई स्वयं पहल करके ऐसी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाएंगे। मंत्री प्रताप सरनाईक के सराहनीय निर्णय का संज्ञान लेते हुए, मंत्री प्रताप सरनाईक आज नयानगर स्थित हैदरी चौक पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने मुस्लिम समुदाय को इस निर्णय के लिए बधाई दी और उन्हें गाय की प्रतिकृति भेंट करके सम्मानित किया। मुस्लिम समुदाय द्वारा लिए गए इस निर्णय से मीरा भायंदर नगर में खुशी का माहौल है। जानबूझकर की गई बदनामी को नजरअंदाज करते हुए सामाजिक शांति और धार्मिक पवित्रता बनाए रखने के लिए मुस्लिम भाइयों द्वारा स्थापित आदर्श की सभी स्तरों पर सराहना की जा रही है। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि मीरा भायंदर नगर अंतरधार्मिक सद्भाव का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। नयानगर में मुस्लिम भाइयों द्वारा लिया गया यह निर्णय न केवल धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देता है, बल्कि देश के कानून का भी सम्मान करता है। इस निर्णय ने मीरा भायंदर में एकता को और मजबूत किया है। कानून का पालन न करने वालों के खिलाफ सरकारी स्तर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, लेकिन समुदाय द्वारा स्वयं उठाया गया यह कदम वास्तव में सराहनीय है।

सपाड ने भारत में किया प्रवेश, देश के फूड और बेवरेज सेक्टर में डिजिटल बदलाव को तेज किया

नई दिल्ली। मेक-इन-इंडिया पहल के तहत बनी क्लाउड-आधारित रेस्टोरेंट टेक्नोलॉजी कंपनी सपाड ने आज भारतीय बाजार में औपचारिक रूप से प्रवेश करने की घोषणा की। यह कंपनी पूरी तरह बूटस्ट्रैप्ड है और इसकी मौजूदगी वैश्विक स्तर पर काफी मजबूत है। सपाड के पास 40 से ज्यादा देशों में हजारों ग्राहक हैं और वह एक दशक से अधिक का अनुभव लेकर भारत आ रही है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब देश का फूड सर्विस सेक्टर तेजी से डिजिटल तकनीकों को अपना रहा है, और ऐसे में सपाड अपने क्लाउड-आधारित प्लेटफॉर्म के जरिए भारतीय रेस्टोरेंट्स को अधिक स्मार्ट, प्रभावी और स्केलेबल डिजिटल समाधान प्रदान करने का लक्ष्य रखती है। अपनी बिजनेस रणनीति के तहत सपाड का लक्ष्य है कि वह 2030 तक भारत के संगठित रेस्टोरेंट टेक्नोलॉजी सेक्टर का 8 से 10 प्रतिशत हिस्सा हासिल करे। देश में लगभग 5-6 लाख ऐसे फूड आउटलेट्स हैं जो टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए तैयार हैं और इनमें से करीब 50,000 रेस्टोरेंट्स सपाड के लिए संभावित बाजार बन सकते हैं। इस लक्ष्य को पाने के लिए कंपनी खासतौर पर उन रेस्टोरेंट्स पर ध्यान दे रही है जो पहले से संगठित हैं, तेजी से बढ़ रहे हैं और डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग करना चाहते हैं।

मसूड़ों की बीमारियों को न करें अनदेखा, इसके पीछे छिपे खतरे को पहचानें

मुंबई/पटना। डॉ. सोनिया दत्ता, एमडीएस, पीएचडी, प्रोफेसर, पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री के अनुसार, मसूड़ों की बीमारियां आम हैं लेकिन अक्सर हम इनको अनदेखा करते हैं, जिसकी वजह से मुंह की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं जैसे दांत खराब होना, डायबिटीज और गर्भावस्था में जटिलताएं। मसूड़ों की बीमारियों से जुड़े कारणों को समझना जरूरी है, ताकि इसकी रोकथाम और उपचार के लिए जल्द से जल्द कदम उठाए जाएं। मसूड़ों की बीमारियों को जल्द से पहचान कर जटिलताओं की संभावना को कम किया जा सकता है। मसूड़ों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए दांतों का मजबूत होना जरूरी है।

सचिन पोटे के आने से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की टीम और मजबूत

◆**कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सचिन पोटे के साथ मनसे के नगरसेवक और अनेक कांग्रेस कार्यकर्ताओं का शिवसेना में प्रवेश**

कल्याण (उत्तरशक्ति)। राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाविकास आघाडी पर जोरदार तंज कसते हुए कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाडी का टांगा पलट चुका है। आने वाले महानगरपालिका चुनाव में उनके घोड़े भी फरार हो जाएंगे। साथ ही, सचिन पोटे एक जुझारू कार्यकर्ता हैं और उन्होंने जहाँ भी काम किया, ईमानदारी से किया। ऐसे शब्दों में शिवसेना में प्रवेश करने वाले सचिन पोटे की जमकर सराहना की।

केडीएमसी चुनाव की पृष्ठभूमि में कल्याण पूर्व स्थित दादासाहेब गायकवाड़ क्रीडांगण में आयोजित भव्य पक्ष प्रवेश समारोह में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सचिन पोटे, जान्हवी पोटे, मनसे के पूर्व नगरसेवक कौस्तुभ देसाई, कस्तुरी देसाई के साथ कांग्रेस, मनसे और उबाठा गुट के अनेक पदाधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे की उपस्थिति में शिवसेना का भगवा हाथ में लिया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह से संवाद करते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विरोधियों पर निशाना साधते हुए इस पक्ष प्रवेश समारोह में चुनाव प्रचार का नारियल फोड़ा।

उनकी आलोचनाओं और तानों पर हम ध्यान नहीं देते: राज्य की जनता के विकास के लिए काम करते समय हम पर कौन आलोचना करता है, कौन ताने मारता है, इस पर हम बिल्कुल ध्यान नहीं देते। हम आरोपों का जवाब आरोपों से नहीं, बल्कि काम से देते हैं। आलोचना का जवाब भी आलोचना से नहीं, काम से देते हैं—ऐसे शब्दों में उन्होंने बिना नाम लिए अपने आलोचकों को जवाब दिया।

सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की टीम और मजबूत: आगामी महानगरपालिका चुनाव में महायुति की ही जीत होगी, यह काले पत्थर पर खींची हुई रेखा है। सचिन पोटे के पार्टी में आने से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की टीम और मजबूत हुई है। इस टीम में पहले ही धोनी, विराट और रोहित थे, अब सचिन की भी एंट्री हो गई है। आने वाले चुनाव में महायुति ही जीतेगी, इसमें कोई संदेह नहीं है, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया।

अगर आम जनता को न्याय देना है और विकास करना है, तो शिवसेना के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह कार्यकताओं की पार्टी है—यहाँ कोई मालिक नहीं, कोई नौकर नहीं। सचिन पोटे के आने से शिवसेना को बड़ी ताकत मिलेगी और उन्हें उचित सम्मान दिया जाएगा, ऐसा आश्वासन उन्होंने दिया। जिस कांग्रेस पार्टी में ईमानदारी से काम किया, उससे भी अधिक जोश के साथ शिवसेना में काम करूंगा सचिन पोटे इस अवसर पर पार्टी में प्रवेश के बाद अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए सचिन पोते ने शायरी भरे अंदाज में अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि वे 25 वर्षों तक कांग्रेस में हाड़-मांस के कार्यकर्ता रहे और ईमानदारी से काम किया। आगे उन्होंने कहा कि अब वे शिवसेना में और भी अच्छे तरीके से काम करेंगे। कांग्रेस छोड़ने के बाद यह भावनात्मक क्षण था। लोगों से चर्चा करने पर सभी ने शिवसेना का नाम सुझाया। यहाँ के नगरसेवकों के काम करने का तरीका उन्हें पता है, इसलिए ज्यादा परेशानी नहीं होगी। वे बिना किसी शर्त के शिवसेना में आए हैं, ऐसा उन्होंने कहा।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के नगरसेवक रहते हुए भी सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने विकास कार्यों के लिए बड़ा निधि उपलब्ध कराई थी। अब शिवसेना में और अधिक जोश के साथ काम कर पार्टी संगठन को मजबूत करेंगे, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया।

एड. रवि व्यास की ललकार, भाजपा अबकी बार 70 पार

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महापालिका चुनाव का बिगुल बज चुका है। 40 महीना बाद 15 जनवरी को होने जा रहे चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों में जोश और उत्साह देखा जा रहा है। यहां के कुल 24 प्रभावों में रहने वाले 8.19 लाख मतदाता 95 पार्षदों को चुनने वाले हैं। भाजपा की गढ़ कहे जाने वाले मीरा भायंदर शहर में 48 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट रवि व्यास अभी से चुनाव परिणाम को लेकर आत्मविश्वास से भरे दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से उन्होंने साफ कह दिया है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी के 70 से अधिक प्रत्याशी शानदार जीत हासिल कर नगरसेवक बनेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रदेश के विकास और जनता के विश्वास की दिशा में किए गए अभूतपूर्व कार्यों को देखते हुए यहां के लोग पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में खड़े दिखाई दे रहे हैं। एडवोकेट व्यास ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता पूरी तरह से समर्पित भावना के साथ लोगों के बीच में काम कर रहे हैं। यही कारण है कि भाजपा की ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित है।

अंतरराज्यीय गांजा तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नशे के सौदागरों के खिलाफ कल्याण पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पुलिस ने नशे के कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुवे अंतरराज्यीय स्तर पर गांजा तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। कार्रवाई में नशे के आठ सौदागरों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पूरे मामले से जुड़े कुल 14 आरोपियों के खिलाफ मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 35 किलो 400 ग्राम गांजा, एक देशी पिस्टल, कारतूस और तस्करी में इस्तेमाल की गई कार जब्त की है। पकड़े गए आरोपियों पर 40 से ज्यादा मामले दर्ज होने की बात कही जा रही है। डीसीपी अतुल झेंडे और कल्याण के एसीपी कल्याणजी घेटे और महात्माफुले पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बलिराम सिंह परदेशी ने प्रेसवार्ता में बताया कि कार्रवाई के दौरान हालात उस समय गंभीर हो गए, जब तस्करों ने वाहन रोकने वाले ट्रैफिक हवलदार पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया और आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया गया। इस घटना में सरकारी काम में बाधा डालने और जानलेवा हमले का मामला भी दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया है कि इस ड्रग्स तस्करी के तार छत्तीसगढ़, उड़ीसा, नागपुर, नाशिक, मुंबई और कल्याण से जुड़े हैं। आरोपी लंबे समय से अलग-अलग राज्यों से मादक पदार्थ लाकर महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में सप्लाई कर रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए मकोका कोर्ट ने सभी आरोपियों को 23 तारीख तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों, सप्लायरों और आर्थिक लेनदेन की गहन जांच कर रही है।

रफी अंसारी और अब्दुल अजीज अंसारी को किया गया उत्कृष्ट सेवा सम्मान पुरस्कार से सम्मानित

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शैक्षिक एवं सामाजिक संस्था मखदूमा फाउंडेशन द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह में मशहूर शायर, साहित्यकार एवं हास्य व्यंग लेखक मोहम्मद रफी अंसारी तथा रईस जूनियर कालेज के पूर्व उप-प्रधानाचार्य एवं वाईसीएमओयू स्टडी सेंटर के समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी को शैक्षणिक,साहित्यिक, सामाजिक और कल्याणकारी सेवाओं और उनके प्रशासनिक प्रदर्शन के लिए उत्कृष्ट सेवा सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बतादें कि यह पुरस्कार मखदूमा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष अब्दुल्ला खान,एडवोकेट अमीन खान और प्रिंसिपल ज़ियाउर रहमान अंसारी द्वारा प्रदान किया गया।

सम्मान एवं पुरस्कार प्रदान किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए केएमई सोसायटी प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यगण, रईस हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज के चेयरमैन यासर तातली, प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, उप प्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, पर्यवेक्षक असरार पठान, सिब्तैन कशेलकर, मुजदान मुल्ला एवं समस्त स्टाफ सहित मित्रगण ने रफी सर और अजीज सर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स मुंबई लेकर आया सेन्को दी वेडिंग-बिफोर द वोज

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स, भारत के प्रमुख ज्वेलरी हाउस जो शिल्पकला और विश्वास की विरासत का प्रतीक है, अपनी सिग्नेचर एक्सपेरिएंशल वेडिंग पहल सेन्को दी वेडिंग बिफोर द वोज को मुंबई में लेकर आया। कोलकता में इसके दिल को छू जाने वाले डेब्यू के बाद, ब्रांड ने शहर में उसी जादू को दोबारा जगाया, जो प्यार, जुड़ाव और शादी से पहले के उन बेशकीमती क्षणों का उत्सव मनाता है। इस बार के कार्यक्रम में, मुंबई के पाँच ऐसे कपल्स को बुलाया गया था जिनकी शादी जल्द ही होने वाली है। इन कपल्स को एक खास प्री-वेडिंग शूट का अनुभव देने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह शूटिंग एक आरामदायक और निजी माहौल में हुई, जो सिर्फ उन्हीं के लिए तैयार किया गया था। यह पूरा दिन मुंबई शहर की खूबसूरत जगहों पर आयोजित किया गया। इस दिन का मकसद यह था कि शादी से ठीक पहले, कपल्स अपनी भावनाओं, उत्सुकता, और खुशियों को अच्छे से महसूस कर सकें। यह उनके नए सफर की शुरूआत का एक प्यारा उत्सव था। यह अनुभव रिश्तों की सच्चाई को दिखाने पर जोर देता था। इसका मुख्य लक्ष्य कपल्स के बीच के प्यार भरे पलों, सहज बातचीत, और उनकी खास केमिस्ट्री को तस्वीरों में कैद करना था। मुंबई संस्करण के बारे में, जोइता सेन, डायरेक्टर, हेड- मार्केटिंग और डिजाइन्स ने कहा, सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स में हमारा मानना है कि शादियाँ सिर्फ एक समारोह नहीं होतीं, बल्कि वे बहुत पहले शुरू हो जाती हैं। शादी की नींव साझा सपनों, यादगार पलों और भविष्य के खूबसूरत अनुभवों पर टिकी होती है।

जिले में ईंट-भट्टों पर कार्यरत प्रवासी श्रमिकों के लिए चलाया जा रहा नियमित स्वास्थ्य जांच अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में ईंट-भट्टों और निर्माण क्षेत्र में कार्यरत प्रवासी श्रमिकों एवं उनके परिवारों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और राजस्व विभाग के समन्वय से मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के अंतर्गत हर माह के तीसरे गुरुवार को नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जा रहे हैं।

इस अभियान के तहत पालघर तहसील के चहाडे एवं कोकणेर क्षेत्र स्थित ईंट-भट्टों का जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (मनरेगा) अतुल पारसकर ने अन्य बाल विकास परियोजना अधिकारियों और तहसील स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई। आंगनवाड़ी सेविकाओं के माध्यम से लाभार्थियों को पोषण आहार, पूरक सेवाएं तथा स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही महा-टळर ऐप पर लाभार्थियों का पंजीकरण कर उसे अद्यतन रखने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर ने संबंधित अधिकारियों को दिए।

पालघर जिले के विभिन्न तहसीलों में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक निवास कर रहे हैं, इसलिए उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इसके लिए जिले में 46 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 183 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी कार्यरत हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस अभियान के लिए आवश्यक निधि भी उपलब्ध कराई गई है। जिले के 8 तहसीलों में स्थित लगभग 519 ईंट-भट्टों पर कार्यरत करीब 20 हजार प्रवासी लाभार्थियों की स्वास्थ्य जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा।

तहसील स्वास्थ्य अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी व नोडल अधिकारियों के समन्वय से यह शिविर संचालित किये जा रहे हैं, जिनमें प्रत्येक लाभार्थी की जांच कर आवश्यकतानुसार उपचार और दवाइयां प्रदान की जा रही हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी एवं उपजिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे के नियोजन में संचालित इस पहल से प्रवासी परिवारों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार होगा तथा बच्चों में कुपोषण को रोकने में मदद मिलेगी, ऐसा विश्वास प्रशासन ने व्यक्त किया है।

श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ व भंडारे का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर (प.) अंतर्गत धर्म नगरी आजाद नगर स्थित श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी मंदिर में मंगलवार 16 दिसंबर 2025 की सायंकाल श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, महाआरती एवं महाप्रसाद रूपी भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत पूजा-अर्चना एवं सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। इसके पश्चात महाआरती संपन्न हुई और अंत में सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। आयोजन स्थल पर पूरे समय भक्तिमय वातावरण बना रहा। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक व सामाजिक आयोजनों का उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारे, श्रद्धा और सेवा भाव को बढ़ावा देना है। श्रद्धालुओं ने भी आयोजन की सराहना करते हुए ट्रस्ट के प्रयासों की प्रशंसा की। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष जितेंद्र दुबे, शंभु भानुशाली लता ग्रुप, पंडित राघवेंद्र महाराज, मिलिंद आत्माराम संखे, सरावली ग्रामपंचायत सरपंच आनंद धोडी, सदस्य विक्रांत साहनी, अजय पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, मनोहर सिंह, राजू श्रीवास्तव, अजय कुमार जायसवाल, सुमित ठाकुर, सुनील पाण्डेय, रोहित ओझा, कुंदन ओझा, आर. के. सिंह, बलराम अवस्थी, एस. के. मिश्रा, सभाजीत यादव, नरेश चौधरी, मुन्ना ठाकुर, धर्मेंद्र मौर्य, शैलेंद्र सिंह, संजय कुमार जायसवाल, कृष्णा पाणी, मयूर कुटे, सुनील मिश्रा, पिंटू शर्मा, पप्पू सरोज, सूरज नाई, श्यामलाल यादव, राजेश नामदेव, राम अवतार महतो, संजय प्रसाद, अशोक सिंह एवं ट्रस्ट के सभी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.**- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

कार की चपेट में आकर बाइक सवार सफाई कर्मचारी व पिता की मौत

◆ दुर्घटना के बाद चालक कार लेकर फरार

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बिशुनपुर वाया लोनियापट्टी मार्ग के सुइथाखुर्द नहर पुलिया के पास बुधवार को कार की चपेट में आकर बाइक सवार पिता पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। मृत पुत्र सफाई कर्मचारी के पद पर तैनात था। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया। दुर्घटना के बाद चालक कार सहित मौके से फरार हो गया। अस्पताल पहुंचे स्वजनों के करुण क्रंदन से माहौल बोझिल हो गया।

सरपतहा थाना क्षेत्र के भटौली गांव निवासी 39 वर्षीय सुनील गौतम खुटहन विकास खंड के छताईंकला गांव में बतौर सफाई कर्मचारी तैनात था। बुधवार को वह ड्यूटी से खाली होकर घर पहुंच बीमार पिता 64 वर्षीय हरी लाल को इलाज हेतु बाइक से शाहगंज ले जा रहा था। बिशुनपुर चौराहे से लगभग दो किमी आगे नहर पुलिया के पास पहुंचा था कि सामने से तेज गति से आ रही एक कार की चपेट में आ गया। हेलमेट न पहने होने के चलते दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई। टक्कर मारने के बाद चालक कार सहित मौके से भाग गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को सीएचसी भेजवाया। जहां देखते ही चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही मृतकों के स्वजन अस्पताल पहुंच गए। मृतक सुनील की माता दशहरा देवी, पत्नी पूजा और पुत्र शौरभ, सिद्धार्थ व पुत्री शालिनी के रोने बिलखने से माहौल गमगीन हो गया।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका निर्णायक: नीतीश पाण्डेय

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुआ विकसित भारत युवा कनेक्ट का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षकत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में परिसर स्थित राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में यूथ आइकन नीतीश पाण्डेय, युवा कार्यक्रम एवं मंत्रालय ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा जागरूक, आत्मनिर्भर, नवाचारी और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध होगा। विकसित भारत युवा कनेक्ट आप जैसे युवाओं को अपने विचार, नवाचार और नेतृत्व क्षमता को सामने लाने का अवसर देता है। आपके विचार, आपकी सोच और आपकी ऊर्जा ही भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाएगी। यह कार्यक्रम आपको न केवल अपनी प्रतिभा पहचानने का अवसर देता है, बल्कि उसे निखार कर राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का माध्यम भी प्रदान करता है। जिला युवा अधिकारी श्री राम गोपाल ने राष्ट्रीय सेवा योजना और माय भारत से संबंधित सभी कार्यक्रमों के बारे विस्तार पूर्वक बताया।

अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. राज बहादुर यादव द्वारा किया गया। डॉ.राज बहादुर यादव ने कहा कि विकसित भारत युवा कनेक्ट (VBYCP 2025-26) युवाओं को अपने विचार, नेतृत्व क्षमता और नवाचार को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का एक प्रभावी मंच है। आज का युवा ऊर्जा, संकल्प और सामर्थ्य से परिपूर्ण है। जब युवाओं को सही दिशा और अवसर मिलता है, तो वे समाज और देश के विकास में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यह कार्यक्रम युवाओं को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने का एक सशक्त प्रयास है। मंच का संचालन सुमित सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन अभिनव कीर्ति पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर नोडल अधिकारी विकसित भारत युवा कनेक्ट (श्इ उढ 2025-26) डॉ.शशिकांत यादव, डॉ.अवधेश कुमार मौर्य, डॉ.सोमरू राम, डॉ.सुशील कुमार, डॉ.शिशिर कांत, डॉ.सीमा यादव, डॉ.यादवेंद्र यादव, राजन पाण्डेय, हर्ष यादव, गौरव जायसवाल एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

डोमराजा परिवार की चेतावनी के बाद हरकत में आया प्रशासन, दी सख्त चेतावनी

मणिकर्णिका से सिंधिया घाट तक हटवाया अतिक्रमण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में डोमराजा परिवार की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आया। एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस बल ने मणिकर्णिका से सिंधिया घाट तक अभियान चलाया। इस दौरान

अवैध अतिक्रमण हटवाया गया। वहीं अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस की सख्ती से अतिक्रमणकारियों में खलबली मची रही। पातालपुरी मठ में हुई बैठक इस दौरान अवैध अतिक्रमण हटवाया गया। दरअसल, डोमराज परिवार ने मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर अवैध अतिक्रमण पर आक्रोश व्यक्त करते हुए 72 घंटे बाद काशी में शवदाह बंद करने की चेतावनी दी थी। आरोप लगाया था कि दोनों श्मशान घाटों पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा है। इससे काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यदि 72 घंटे के अंदर अतिक्रमण नहीं हटवाया गया तो महाश्मशान पर शवदाह बंद कर देंगे।

भीषण ठण्ड में अलाव न जलवाया जाना कजगांव में बना चर्चा का विषय

◆ भीषण ठण्ड में जन जीवन अस्त-व्यस्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कई दिनों से पड़ रही गलन भरी भीषण सर्दी के कारण जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसके बावजूद नगर पंचायत कजगांव द्वारा कस्बे में अलाव न जलवाये जाना लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।बताया जाता है कि ठण्ड के शुरूआत कड़ाके की ठण्ड से हुआ है। परन्तु इधर कई दिनों से भीषण ठण्ड पड़ने के बावजूद कस्बे में कहीं भी अलाव न जलवाये जाने की बजाय नगर पंचायत के लोग कान में तेल डालकर सोये हुए हैं। क्षेत्र में कार्यरत स्वयं सेवी संस्थायें भी मौन धारण किये हुए हैं। न कोई अलाव पर ध्यान दे रहा है, और न ही गरीबों को राहत देने हेतु कम्बल ही वितरित किया जा

रहा है। गलन भरी भीषण ठण्ड के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। इस भीषण ठण्ड से बचाव के लिए मनुष्य किसी न किसी प्रकार से अपने बचाव के लिए कुछ इन्तेजाम कर लेता है परन्तु सबसे ज्यादा परेशानी पशुओं को उठानी पड़ रही है। इस भीषण ठण्ड को देखते हुए दुकानदार गर्म ऊनी कपड़ों को मनमाने दाम पर बेच रहे हैं तथा जलावन लकड़ी व्यवसायियों ने अपने लकड़ी के भाव बढ़ा दिये हैं। क्षेत्रवासियों ने नगर पंचायत कजगांव के जिम्मेदारों से पर्याप्य मात्रा में अलाव जलवायें जाने की मांग की है ताकि इस भीषण ठण्ड से राहगीरों को कुछ राहत मिल सके।भीषण ठण्ड पड़ने के बावजूद भी नगर पंचायत के जिम्मेदार लोग पूरी तरह से कुम्भ कर्णी निद्रा में लीन पड़े हुए हैं।

हाईवे से ट्रकों को हटाया गया, कोहरे में दुर्घटना रोकने के लिए पुलिस टीम गठित

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। घने कोहरे के कारण

हाइवे पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सीओ प्रतिमा वर्मा के निर्देश पर थाना प्रभारी जय प्रकाश यादव ने विशेष अभियान चलाकर सतहरिया हाई-वे पर अवैध रूप से खड़े भारी वाहनों को हटवाया।

अभियान के तहत पुलिस ने वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाए ताकि वे कोहरे में भी स्पष्ट दिखाई दें साथ ही भारी वाहन चालकों को रात्रि में हाई-वे पर वाहनों को न खड़ा करने के लिए निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी जय प्रकाश यादव ने बताया कि हाइवे पर दुर्घटनाओं को रोकना और यातायात को सुचारू ढ़ंग से चले इसके लिए हाइवे पर खड़े वाहनों को हटवाने के लिए विशेष टीमें गठित की हैं। ये टीमें रात के समय हाइवे पर सक्रिय रहकर वाहन चालकों को जागरूक करेंगी और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करेंगी।हाई-वे के किनारे अस्थाई पार्किंग स्थल बनाए जा रहे हैं ताकि वहां खड़े करने के लिए सुरक्षित स्थान मिल सके। ट्रक और वाहन चालकों को अस्थाई पार्किंग में ही वाहन खड़ा करने और ड्रिपर जलाने के लिए निर्देशित किया गया है।इसके अलावा जगह-जगह ग्लो साइन बोर्ड लगाए जाएंगे ताकि वाहनों को गंतव्य स्थान तक पहुंचने पर असुविधा न हो। हाई-वे के किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों और दुकानों के सामने लगे अतिक्रमण को भी हटवाया गया यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सावधानी से वाहन चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें। कोहरे को देखते हुए अपनी गति को नियंत्रित रखें।

परिषदीय विद्यालयों की क्रीड़ा प्रतियोगिता में मड़ियाहूं बना चैम्पियन, शाहगंज उप विजेता

जिला स्तरीय खेलकूद में बच्चों ने हुनर व जज्बा दिखा जीती प्रतियोगिता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। परिषदीय विद्यालयों की दो दिवसीय 47 वीं जिला स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में बच्चो ने अपना हुनर व जज्बा दिखाया और प्रतियोगिता जीती। बी आर पी इन्टर कालेज के मैदान पर बृहस्पतिवार को दूसरे दिन समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक मड़ियाहूं डा. आर के पटेल रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा.गोरखनाथ पटेल ने मुख्य अतिथि विधायक और विशिष्ट अतिथि, जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी अजीत प्रजापति व राष्ट्रीय महासचिव अपना दल पप्पू माली को बुके व स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया।

ओवर आल चैम्पियनशिप में 234 अंक प्राप्त कर तहसील मड़ियाहूं चैम्पियन बना, 141 अंक लेकर शाहगंज उप विजेता रहा। 82 अंक प्राप्त कर सदर तीसरे स्थान, 71 अंक प्राप्त कर बदलापुर चौथे स्थान पर, 57 अंक लेकर केराकत पांचवें स्थान व 41 अंक प्राप्त कर मछली शहर छठवें स्थान पर रहा। अतिथियों ने विजयी प्रतिभागियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र व शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर विधायक डा.आरके पटेल ने कहा कि खेल ही है जहां हार को सहज भाव से और जीत को पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार किया जाता है। खेलों में अपनी मेहनत के दम पर

जनपदीय खेलों में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, जीते पुरस्कार

भविष्य संवारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिता से आने वाली पीढ़ी को खेलो में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है और उनमें देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी पैदा होगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और पूरी आयोजन समिति को बधाई दी। इस अवसर पर कई आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। अन्त में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल ने सफल आयोजन के लिए समस्त समितियो सहित सभी का आभार व्यक्त किया।

संचालन बीईओ रमेश चन्द्र पटेल, नूपुर श्रीवास्तव, शैलेश चतुर्वेदी, राम दुलार यादव ने किया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेंद्र विश्वकर्मा, खण्ड शिक्षा अधिकारी बसन्त कुमार शुक्ल, बीईओ अविनाश सिंह, उदयभान कुशवाहा, आनन्द प्रकाश सिंह, डीसी विशाल उपाध्याय, डीसी एमडीएम अरुण मौर्य, दुर्गा प्रसाद सिंह, सहित समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, विभिन्न प्राथमिक शिक्षक संघो के जिलाध्यक्ष सहित जिला व ब्लाक स्तर के पदाधिकारी, एसआरजी, एआरपी, जिला व्यायाम शिक्षक रवि चन्द्र यादव व राकेश यादव, प्रियंका सिंह, विन्ध्वासनि उपाध्याय, राजू सिंह, सै मो मुस्तफा, डा. संतोष तिवारी, शिवाकांत तिवारी, सुशील उपाध्याय आदि सहित शिक्षक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

केमिस्ट्री व माइक्रोबायोलॉजी छात्रों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में अलिवस लाइफ साइंसेज लिमिटेड की ओर से केमिस्ट्री एवं माइक्रोबायोलॉजी विषय के विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव का उद्देश्य छात्रों को उद्योग से जोड़ना और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान कंपनी की ओर से श्री अवधेश राय (एचआर मैनेजर), प्रकाश चौधरी (एग्जीक्यूटिव एचआर) तथा सतीश मौर्य (प्रोडक्शन ऑफिसर) ने चयन प्रक्रिया कराई। कार्यक्रम की शुरूआत में कंपनी प्रतिनिधियों ने अलिवस लाइफ साइंसेज के बारे में विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया, जिसमें कंपनी की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों तथा करियर संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। अलिवस लाइफ साइंसेज लिमिटेड (पूर्व में ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज लिमिटेड) एक अग्रणी फार्मास्यूटिकल कंपनी है।

प्रेजेंटेशन के उपरांत छात्रों का एप्टीट्यूड टेस्ट लिया गया, जिसके बाद चयनित विद्यार्थियों के साक्षात्कार (इंटरव्यू) आयोजित किए गए। पूरी चयन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न किया गया। यह आयोजन सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने कंपनी प्रतिनिधियों, आयोजकों एवं सभी प्रतिभागी छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि इस प्रकार की प्लेसमेंट ड्राइव छात्रों के भविष्य निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं। इस अवसर पर डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. दीप प्रकाश सिंह व छात्र सदस्य दिव्यांशु संजय, रुद्रांश चतुवेर्दी, उपस्थित रहे।

खुटहन पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ में एक शातिर गो-तस्कर को लगी गोली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन पुलिस टीम के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ में एक शातिर गो-तस्कर को लगी गोली, घायल सहित

02 आरोपी गिरफ्तार, कब्जे से स्वीफ्ट कार, 01 देशी तमंचा, 02 खोखा कारतूस व नगदी बरामद ' पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में दिनांक-17.12.2025 को थानाध्यक्ष चन्दन कुमार राय मय हमराह व क्राइम टीम के कर्मचारीगण का0 सुरेन्द्र वर्मा , का0 कुलदीप गोस्वामी, का0 विजयशंकर का0 आकाश निषाद , का0 ओमकार यादव मरहट पुलिया पर मिले। पुलिस टीम द्वारा अपराध के संबंध में चर्चा के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि बिना नंबर की एक कार गभिरन की तरफ से मरहट पुलिया की तरफ आ रही है, उक्त सूचना के क्रम में घेराबन्दी कर आने वाले वाहनों की चेकिंग की जाने लगी, कुछ समय पश्चात एक कार बिना नंबर की आती दिखाई दी, जिसे चेकिंग टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया किन्तु संदिग्धों द्वारा पुलिस टीम पर फायर किया गया, पुनः घेराबन्दी की गई, संदिग्धों द्वारा भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर फायर किया गया, पुलिस टीम की आत्मरक्षा जवाबी कार्यवाही में बदमाश रोहित यादव पुत्र रामधारी यादव निवासी ग्राम घुघुरी सुल्तानपुर, थाना सरपतहाँ, जनपद जौनपुर गोली लगने से घायल हो गया एवं 01 संदिग्ध फरार हो गया, पुनः पुलिस टीम द्वारा घेराबन्दी कर फरार अभियुक्त साजिद पुत्र अबरार अहमद निवासी पटैला थाना खुटहन जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया। घायल गो-तस्कर को ईलाज हेतु सरकारी वाहन से सीएचसी खुटहन भेजा गया। जहाँ से घायल बदमाश के बेहतर ईलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया उक्त के सम्बन्ध मे थाना हाजा पर मु0अ0स0 -375/25 धारा 109(1) बी0एन0एस0 व धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना खुटहन जौनपुर पंजीकृत कर अग्रेतर कार्यवाही प्रचलित है।

सुजानगंज पुलिस ने मोबाइल छिनैती करने वाले 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

सुजानगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा मोबाइल छिनैती करने वाले 02 आरोपीगण को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से छिनैती की मोबाइल ओपो अ53 मोबाइल व घटना में प्रयुक्त मो0सा0 अपाचे बरामद की गयी। थानाध्यक्ष सुजानगंज के कुशल नेतृत्व में व0उ0नि0 बृजेश कुमार

मिश्रा मय हमराह द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-342/2025 धारा-304(2) बी0एन0एस0 से सम्बन्धित आरोपीगण अमरजीत बिंद पुत्र अच्छेलाल बिन्द निवासी ग्राम भिखारीपुर थाना मछलीशहर जौनपुर, पंकज सरोज उर्फ चन्दन सरोज पुत्र बटेश्वर सरोज ग्राम तिलोरा थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है।

लाइन बाजार पुलिस ने प्रतिबन्धित मांझा के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार पुलिस टीम ने प्रतिबन्धित मांझा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक थाना लाइनबाजार के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 अरविन्द यादव चौकी प्रभारी टीडी कालेज मय हमराह पुलिस बल के साथ प्रतिबन्धित अवैध सेन्थिटिक

धागा/ मांझा कुल 15 बण्डल के साथ एक अभियुक्त किशुन सोनकर पुत्र रामबाबू सोनकर निवासी रामनगर भडसरा थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर उचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कायार्वाही की जा रही है।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब आराजी लाइन क्षेत्र के कचनार स्थित ब्लॉक संसाधन

केंद्र पर खंड शिक्षा अधिकारी शशिकांत श्रीवास्तव की उपस्थिति में बुधवार को राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का दो चरणों में आयोजन किया गया। प्रथम चरण में प्रतियोगिता में 51 विद्यालयों से 153 बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया ।जिसमे दूसरे चरण हेतु 25 प्रतिभागियों ने सफलता हासिल की। दूसरे चरण की प्रतियोगिता में 25 प्रतिभागियों को 5-5 के समूह में बटाकर पुनः क्विज प्रतियोगिता करायी गई। जिसमे अनूप कुमार पटेल सी एस लोहरापुर, सोनू यू पी एस शाहंशाहपुर, अंशु विश्वकर्मा सी एस भतसार, तृषा सिंह सी एस लोहरापुर, कंचन मौर्या सीएस दयापुर द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। प्रतियोगिता खण्ड शिक्षा अधिकारी आराजी लाइन्स, डायट प्रवक्ता डॉ.लालधारी यादव, एआर पी रितेश कुमार हेलो, पूर्व एआर पी राजबली व नोडल चंद्रमणि पांडेय, राजदेव राम, विवेक यादव, अरविंद सिंह, आशीष कुमार एवम् अन्य नोडलो द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। समस्त प्रतिभागियों को ज्यामिति बाक्स कापी व विज्ञान बुक एवं प्रमाण पत्र तथा विजेता प्रतिभागियों को ट्राफी देकर जनपद स्तर पर प्रतिभाग करने हेतु शुभकामनाएं दी गयी।

शिफा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल
मानीकलॉं, जौनपुर
निःशुल्क मेगा कैम्प
(डायबटीज एवं हड्डी रोग)
23 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार, प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक
Dr. MOHD CHAND BAGWAN
MBBS, DNB (MD)
PDCC-CRITICAL CARE MEDICINE
CCEBDM (DIABETES)
डायबटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
Dr. ABU FAISAL
MBBS, D. Ortho (Lko), DNB (Ortho)
PGDS (Orthopedic) Surgeon
गोल्ड मेडलिस्ट
(हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ)
अन्य ब्लड जाँच पर 50% डिस्काउन्ट

OPD Fee	Free
Cholesterol	150/-
HbA1C	700/-
BMD	1500/-
PFT(Asthma)	1500/-
TSH	250/-
Sugar	50/-
Diet Councelling	200/-
Neuropathy	1000/-
Uric Acid	100/-
RA	150/-
TOTAL AMOUNT	5600/- Free

मो0 नं0 7380850571 पर सम्पर्क कर एक दिन पहले रजिस्ट्रेशन करायें और इस अवसर का लाभ उठाएं।
डा0 मोहम्मद अकमल
(डायरेक्टर)
शिफा हास्पिटल, मानीकलॉं, जौनपुर-9451610571

फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवक का शव

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शेरपुर गांव में बुधवार को घर से कुछ दूरी पर खेत में पाही के कमरे में एक युवक का फांसी के फंदे से लटकता शव पाये जाने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया। घटना को लेकर स्वजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। गांव निवासी 18 वर्षीय अंकुश पाल पुत्र विकास मंगलवार की

शाम नित्य की तरह भोजन कर घर के से लगभग सौ मीटर दूर पाही पर सोने चला गया। सुबह 10 बजे तक वह घर नहीं आया तो स्वजन खोजते हुए पाही पर पहुंचे। आवाज देने और कुण्डी बजाने के बाद भी भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो दरवाजा तोड़ दिए। अंदर का नजारा देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। अंकुश का शव छत की हूक से रस्सी के फंदे से लटक रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। घटना के पीछे क्या कारण है इस पर स्वजनों की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। थानाध्यक्ष चंदन राय ने बताया कि पीएम के बाद ही मामला स्पष्ट हो पायेगा।

प्रतिबन्धित चायनीज मांझा की बिक्री करने वाले गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष बक्सा के निर्देशन में उ0नि0 राकेश कुमार राय द्वारा मय हमराह के ग्राम धनियामऊ बाजार में प्रतिबन्धित चायनीज मांझा की बिक्री की सूचना मुखबीर खास द्वारा प्राप्त हुयी। जिसके क्रम में धनियामऊ बाजार से अभियुक्त दिवाकर मोदनवाल पुत्र विजयकृष्ण निवासी ग्राम धनियामऊ थाना बक्शा जौनपुर के कब्जे से प्रतिबन्धित 450 ग्राम (28 बंडल रील) चायनीज मांझा बरामद करते हुए आरोपी को समय 13.30 बजे दिनांक 18.12.2025 को गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 488/25 धारा 223(बी)/293/125 बीएनएस व 5/15 पर्यावरण संरक्षण अधिनियम पंजीकृत कर आरोपी दिवाकर मोदनवाल पुत्र विजयकृष्ण निवासी ग्राम धनियामऊ थाना बक्शा जौनपुर के विरूद्ध अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सुरेन्द्रन कुनीकन्नन वार्ड क्रमांक 172 व 173 के उपाध्यक्ष नियुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी प्रतिक्षा नगर मंडल वार्ड क्रमांक 172 व 173 के उपाध्यक्ष पद पर सायन सुन्दर कमला नगर के सम्माननीय समाजसेवी सुरेंद्रन को नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति भारतीय जनता पार्टी मुंबई के सचिव आशिष साळस्कर ,विधानपरिषद आमदार प्रसाद लाड के निर्देश पर नियुक्ति हुआ। सुरेंद्रन ने सभी लोगों का आभार जताया है, और कहा कि हम प्रसाद लाड साहेब के बताए हुए मार्ग पर सदैव चलता रहुंगा । तथा अपने वार्ड को सदैव आगे बढ़ाता रहुंगा और जनता के सेवा के लिए एक सिपाही की भांति सदैव तत्पर रहुंगा। उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर दैनिक उत्तर शक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा , लेनिन, विपीन सिंह, पत्रकार राजकुमार अग्रहरि, गवाली सहित कई लोगों ने हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी है। बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

पिकअप की चपेट में आने से आने से व्यक्ति की मौत

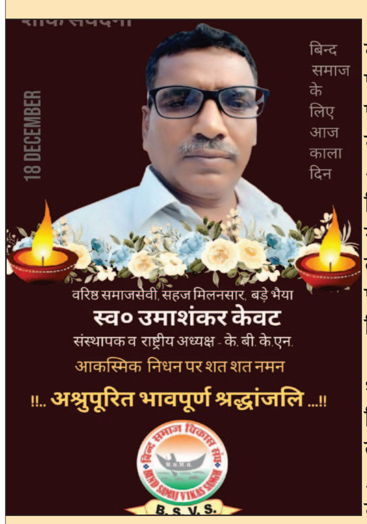

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास टहलते समय पिकअप वाहन की चपेट में आकर अधेड़ की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जाता है कि इसी थाना क्षेत्र के बबुरा गांव निवासी उमाशंकर केवट उम्र लगभग 52 वर्ष गुरुवार सुबह 5: बजे टहलने निकले थे। तभी क्षेत्र के फतेहपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास अज्ञात पिकअप वाहन की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से घायल हो गए परिजनों द्वारा उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जैसे ही यह खबर परिजन को मिली परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश में जुटी हुई है। बता दें रेलवे क्रॉसिंग के पास पशुओं का मेला लगता है पशुओं को खरीद कर लोग अधिकतर पिकअप वाहन से ले जाते हैं।

जौनपुर: पिता के मृत बाडी का होगा डीएनए जांच

घटना के चार दिन बाद भी पुलिस को अब तक केवल दो बोरे ही बरामद हुए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में एक इंजीनियर बेटे ने अपनी मुस्लिम पत्नी के लिए माता-पिता की हत्या कर दी। उसने शवों के टुकड़े कर सात बोरों में भरकर गोमती नदी में फेंक दिया था। घटना के चार दिन बाद भी पुलिस को अब तक केवल दो बोरे ही बरामद हुए हैं, जिनमें पिता श्याम बहादुर के शरीर के कुछ हिस्से मिले हैं।

पुलिस के अनुसार, अम्बेश कुमार नामक इंजीनियर ने अपनी मां बबिता देवी और पिता श्याम बहादुर की हत्या की। उसने माता-पिता के सिर खल-बट्टे से कुचले और फिर आरी से काटकर शवों के छह टुकड़े कर दिए। शव के टुकड़ों और अवशेषों को सात बोरियों में भरकर कार से गोमती नदी के किनारे ले जाया गया। अम्बेश ने एक-एक करके सभी बोरियों को नदी में फेंक दिया था। बरामद हुए पिता के शरीर के हिस्सों से पुलिस ने विसरा सुरक्षित रख लिया है। इसका पोस्टमार्टम कराकर डीएनए जांच कराई जाएगी ताकि पहचान सुनिश्चित हो सके। जाफराबाद थाना पुलिस लगातार शवों को बरामद करने का प्रयास कर रही है। इसके लिए 15 गोताखोरों की मदद ली जा रही है। गोताखोर बेलाव घाट स्थित गोमती नदी, राजेपुर त्रिमुहानी के गोमती नदी और जलालपुर स्थित सईं नदी में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

जौनपुर जफराबाद में मकान क्षति का मामला, पीड़ित ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के जफराबाद थाना क्षेत्र में एक परिवार के मकान को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि वे वर्षों से जिस मकान में निवास कर रहे थे, उसे जेसीबी मशीन से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पीड़ित के अनुसार यह कार्रवाई बिना किसी वैधानिक आदेश के की गई। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। इसके बाद परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की जानकारी दी और न्याय की मांग की। पीड़ित पक्ष के अनुसार मकान को नुकसान पहुंचने से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में विपक्षी पक्ष पर प्रभावशाली होने का आरोप भी लगाया गया है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस अधीक्षक ने प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। फिलहाल मामला जांचाधीन है।

भगवती नरसिंह दुबे के चतुर्थ पुण्यतिथि पर कई विशिष्टजनों ने दी श्रद्धांजलि

प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। अपनी बगिया के फूलों को प्रेम और एकता रुपी माला में स्नेह से पिरोकर रखनेवाली स्व. भगवती नरसिंह दुबे के चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर दो दिवसीय श्री अखंड हरिकीर्तन (अष्टयाम), श्रध्दांजली, भजन संध्या तथा भंडारा आयोजित किया गया. दुबे परिवार की ओर से नालासोपारा पूर्व स्थित दुबे इस्टेट परिसर में आयोजित उक्त आयोजन का शुभारंभ 16 दिसंबर को श्री अखंड हरिकीर्तन के साथ किया गया. जो सुबह 10 बजे से आरंभ होकर दूसरे दिन बुधवार पूर्णाहुति, पूजन, हवन, आरती के उपरांत समाप्त हुआ. तत्पश्चात सायं 5 बजे से श्रध्दांजली, भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया. इस अवसर पर उपस्थित भजन गायक कलाकारों ने अपने सुमधुर स्वर कण्ठो से

संगीतमय भजनों की प्रस्तुति कर स्वर्गीय माताजी को अपनी स्वर स्वरूप श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर महाप्रसाद भंडारे का भव्य आयोजन किया गया. जो अनवरत देर रात तक चला. यह आयोजन श्यामसुंदर नरसिंह दुबे, डॉ. ओमप्रकाश नरसिंह दुबे, श्रीमती उषा शैलेश दुबे, जयप्रकाश नरसिंह दुबे, श्रीमती आशा अवधेश दुबे, नरेश नरसिंह दुबे आदि के मार्गदर्शन में संपूर्ण दुबे परिवार द्वारा आयोजित किया गया. कार्यक्रम में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रमेश दूबे, कृपाशंकर सिंह, नालासोपारा विधायक राजन नाईक, वसई विधायक स्नेहा दूबे पंडित, दैनिक नवभारत के संपादक बृजमोहन पांडे सहित अशोक लेलैंड एवं टोयोटा के भूतपूर्व जनरल मैनेजर दिनेशचंद्र उपाध्याय, ब्राह्मण समाज कल्याण परिषद के महासचिव देवेंद्र तिवारी, भारतीय सद्विचार मंच के डॉ. हृदयनारायण मिश्रा, डॉ. शिवश्याम तिवारी, पंकज मिश्रा, रमेश मिश्रा, अनुराग त्रिपाठी, अनिल गलगली, उदयप्रताप सिंह, उत्तर भारतीय संघ के संजय सिंह, शिवसेना उभाटा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दूबे, आदी पालघर, ठाणे मुंबई, नवी मुंबई, वापी दमन सिलवासा सूरत से समाज के सभी लब्धप्रतिष्ठ मान्यवरों ने भी माताजी को श्रद्धांजली अर्पित कर कीर्तन भजन भंडारा में सहभाग लिया.अखंड हरिकीर्तन में 85 से ज्यादा गायक एवं वादकों ने सहभाग लिया तथा भजन संध्या में आरोही प्रभुदेसाई, नीरज तिवारी, हुकुम प्रजापति, मदन काजळे, प्रियंका मौर्य, अरूण सिंह आदि विख्यात गायकों ने 16 वादकों से समृद्ध वाद्यवृंद में भजनों की प्रस्तुती कर सभी को मंत्रमुग्ध किया

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा भाजपा कार्यालय का घेराव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नेशनल हेराल्ड और यंग इंडिया के मामले पर न्यायालय का फैसला आने के बाद उत्साही कांग्रेसियों ने जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह व शहर अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन से जुलूस निकालकर सत्यमेव जयते और भाजपा के झूठ का नारा लगाते हुए भाजपा कार्यालय का घेराव किया। जहां पहले से मौजूद पुलिसकर्मियों से कांग्रेस कार्यकताओं की जमकर नोंक-झोंक हुई, पुलिस के रोकने के बावजूद भाजपा कार्यालय का घेराव करने में सफल रहे, भाजपाइयों ने अपने कार्यकाल के गेट को अंदर से बंद कर लिया। भाजपा कार्यालय का घेराव करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि न्यायालय के फैसले ने भाजपा के झूठ को बेनकाब करते हुए ईडी के दुरपयोग की पोल खुल गयी ' भाजपा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, श्रीमती सोनिया गांधी और कांग्रेस को बदनाम करने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरपयोग करती है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि भाजपा का चेहरा बेनकाब हो गया है,वे सत्ता में बने रहने के लिए झूठ,और नफरत फैलाकर साम्प्रदायिक माहोल को बिगाड़ने का काम करते है। शहर

कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि भारत की संवैधानिक संस्थाओं का भाजपाई करण हो चुका है, बदले की भावना से राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस को बदनाम करना ही भाजपा का हथकंडा है। ईडी के आरोप पत्र को खारिज कर न्यायालय ने सत्य की जीत को कायम रखा और भाजपा का झूठ बेनकाब हो गया है। भाजपा कार्यालय घेराव के समय कांग्रेसियों ने जोरदार नारा लगाया। इस मौके पर प्रदेश सचिव पंकज सोनकर,देवराज पांडेय, विनय तिवारी, शेरबहादुर सिंह, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष रेखा सिंह, अरुण शुक्ला,अनिल दुबे आजाद, ओमकार यादव,राजीव निषाद, रामसिंह बांकुरे, लाल प्रकाश पाल,विजय प्रजापति,अनिल सोनकर, फैयाज हाशमी,जयप्रकाश मिश्रा,सभासद शहनवाज मंजूर, प्रवेश निषाद, राजकुमारी मिश्रा अरविंद यादव,विनय मिश्रा, एडवोकेट अभिनव सिंह,नन्हे अंसारी, इरशाद खान, करिया गुरु, वरुणा शंकर चतुवेर्दी,मकसूद अहमद,डा.नसीम,अरसी अहमद, मु.ताहिर, अमित यादव,अजीम शेख, सद्दाम,संतोष निषाद, सैयद बेलाल, ललित चौरसिया, शहनवाज खान,डा.दिलीप यादव, अनुराग पांडेय,संतोष पाण्डेय, सूबेदार मौर्या, सरिता देवी, मीना देवी,सोना यादव, संतोषी सिंह,रेखा यादव,शालू उपाध्याय,नीरा यादव, निशा यादव, इकबाल हुसैन,आशीष यादव, कृष्णकुमार गुप्ता, नरेंद्र प्रताप, अशरफ अली सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय सिपाह में स्काउट एण्ड गाइड का आयोजन

आदेश मिश्र

सुलतानपुर। जनपद सुलतानपुर के जयसिंहपुर तहसील अंतर्गत बेलहरी स्थित प्राथमिक विद्यालय सिपाह के बच्चों द्वारा स्काउट एण्ड गाइड शिविर का बच्चों द्वारा कार्यक्रम किया गया। जिसमे कक्षा.-3,4 और 5 के बच्चों ने प्रतिभाग किया। शिविर में मुख्यअतिथि के तौर पर उपस्थित जयसिंहपुर तहसीलदार मयंक मिश्रा और लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जयसिंहपुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चन्द्रशेखर शुक्ल रिंकू का विद्यालय के स्टॉप के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न शिविर का निर्माण किया और विषम परिस्थितियों में कैसे कम संसाधनों से कार्य किया जाता है इसकी मिशाल प्रस्तुत की। प्रधानाध्यापक राजेन्द्र कुमार के निर्देशन में बच्चों ने रस्से की बहुत प्रकार की गाठे, बांधना जैरा-जुलाह गाठ डाहत, गाठ, खूंटा फोल, लघुकर गांठ, धुन गाठ एवं बंधन बनाना सोला। बच्चों द्वारा बनाये गए शिविर में कई स्टैण्ड जैसे बोतल स्टैण्ड, कण्ड कण्डा स्टैण्ड, मन्त्रीअपज स्टैण्ड और बच्चों द्वारा तीन शिविर बनाये गये चहला राती लक्ष्मी बाई दूसरा भगत सिंह, तोदरा तीर शिवाजी शिविर आदि का निर्माण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मयंक मिश्रा और ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ने निरिक्षण किया और बच्चों से स्काउट एण्ड माइट के विषय में पूछा बच्चों ने बहुत उत्साह पूर्वक जवाब दिया। जिस पर उन्होंने बच्चों और प्रा०वि०सिपाह के समस्त स्टाप की प्रशंसा की। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रदर्शन के लिए प्रथम, द्वितीयप स्थान पाने वाले बच्चों को शील्ड देकर उनका उत्साह वर्धन कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक सिपाह राजेन्द्र कुमार, सहायक अध्यापिका नीलम यादव, सहायक अध्यापक अजय प्रताप सिंह शिक्षा मित्र संतोष कुमार,प्रीती सिंह बालकुमार यादव,मिंटू ,राकेश श्रीवास्तव, मिंटू सिंह, मनोज सिंह,रामजीत पाल,हैपी पांडेय, प्रिंस मिश्रा, पत्रकार आदेश मिश्र,दीपक शुक्ल,बबलु तिवारी सहित छात्र छात्राएं,अभिभावक एवं बड़ी संख्या में कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अखंड क्षत्रिय समाज संस्था के संस्थापक सदस्य एवं अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद सिंह का निधन

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। अखंड क्षत्रिय समाज संस्था के अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद सिंह हम सभी के प्रेरणास्रोत, मार्गदर्शक, सरल, कर्मठ एवं समाजसेवा को समर्पित पितातुल्य व्यक्तित्व स्वर्गीय नरेंद्र प्रसाद सिंह का दिनांक 18 दिसंबर 2025 की मध्यरात्रि को स्टार हॉस्पिटल, नालासोपारा (पश्चिम) में दुःखद स्वर्गवास हो गया। यह समाचार संपूर्ण समाज एवं परिचितों के लिए अत्यंत मर्माहत करने वाला है। उनका संपूर्ण जीवन समाज, संगठन और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा। उनका स्नेह, मार्गदर्शन एवं सेवाभाव हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। दिवंगत आत्मा की शांति हेतु उनकी पुण्य स्मृति में एक शोक सभा का आयोजन किया गया है। आपसे विनम्र निवेदन है कि शोक सभा में पधारकर पुष्पांजलि अर्पित करें एवं ईश्वर से प्रार्थना करें कि उनकी पुण्य एवं पवित्र आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

बाबू शोभनाथ मेमोरियल ट्रस्ट मुंबई की नागपुर इकाई द्वारा काव्यगोष्ठी संपन्न

नागपुर। साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था बाबू शोभनाथ मेमोरियल ट्रस्ट मुंबई की नागपुर इकाई द्वारा साहित्यिक काव्य गोष्ठी का आनलाइन आयोजन बुधवार 17 दिसंबर 2025 को किया गया। जिसमें महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के साहित्यकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नागपुर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शशिकांत शर्मा ने किया तथा मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार जयप्रकाश शर्मा थे। नागपुर इकाई की अध्यक्षा श्रीमती शशि भार्गव ने कार्यक्रम की प्रस्तावना पढ़ी और अपने सुरीले कंठ से सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का आरंभ किया।कार्यक्रम का सूत्र संचालन वरिष्ठ साहित्यकार रामकृष्ण सहस्त्रबुद्धे ने किया। गोष्ठी में पूनम मिश्रा 'पूर्णिमा' ने अपनी कविता में ग्रामीण परिदृश्य का वर्णन किया। रीमा दीवान चड्ढा की नारी तुम बुद्ध नहीं हो सकती रचना के बाद मुंबई की साहित्यकार श्रीमती सत्यभामा ने नारी के नारीत्व का गौरव गान किया। डॉ. निशी मंजवानी ने गजल प्रस्तुत की। मुंबई के वरिष्ठ साहित्यकार अयोध्या प्रसाद द्विवेदी ने अपने काव्य के माध्यम से वर्तमान में नारी स्थिति का वर्णन किया, वहीं रामकृष्ण सहस्त्रबुद्धे ने गजल पढ़ी ।जयप्रकाश शर्मा की रचना के बाद डॉ. शशिकांत शर्मा ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की साथ ही सुंदर मुक्तक व गजल की प्रस्तुति दी। संस्था की संस्थापिका श्रीमती सत्यभामा ने आभार व्यक्त किया।

नगर पंचायत कजगांव की बोर्ड बैठक में हंगामा, सभासदों का बहिष्कार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के नगर पंचायत कजगांव कार्यालय में गुरुवार को आयोजित बोर्ड बैठक उस समय विवादों में घिर गई, जब कई सभासदों ने बैठक का विरोध करते हुए बहिष्कार कर दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष फिरोज खान की अध्यक्षता में चल रही बैठक के दौरान सभासदों ने जमकर नाराजगी जाहिर की और अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए।

सभासदों का आरोप है कि नगर पंचायत क्षेत्र के कुछ चुनिंदा वार्डों में ही विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जबकि शेष वार्डों की पूरी तरह अनदेखी की जा रही है। उन्होंने अध्यक्ष पर अन्य वार्डों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब किसी वार्ड में विकास कार्य कराने की मांग की जाती है, तो उसे लगातार

नजरअंदाज किया जाता है।

बैठक के दौरान विरोध कर रहे सभासदों ने कहा कि नगर पंचायत में विकास कार्यों को लेकर पारदर्शिता का अभाव है और फैसले मनमाने ढंग से लिए जा रहे हैं। इससे क्षेत्र की जनता में असंतोष बढ़ रहा है। विरोध करने वालों में सभासद सुनील विश्वकर्मा, आकाश सिंह (हनी), अरविंद प्रजापति, रितेश मौर्य, इकबाल अंसारी, अखिलेश यादव, इजलाश यादव, सुरज कन्नौजिया, अक्षय जायसवाल सहित कई सभासद मौजूद रहे। सभासदों के इस विरोध के चलते नगर पंचायत की बोर्ड बैठक हंगामेदार माहौल में संपन्न हुई, जिससे स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

महादेव की नगरी काशी में महाशक्ति का क्रिकेट स्टेडियम

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। महादेव की नगरी काशी... अब सिर्फ अध्यात्म की राजधानी नहीं, बल्कि बनने जा रही है खेल महाशक्ति। गंजारी में आकार ले रहा है पूर्वांचल का पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, जिसे नाम दिया जा रहा है, खेलों का काशीधाम। इसे पूर्वांचल के युवाओं को विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। गंजारी (राजातालाब) में 451 करोड़ की लागत से बन रहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अब अपने अंतिम चरण में है। उम्मीद है कि 2026 में इसका भव्य लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा। यह स्टेडियम ना सिर्फ पूर्वांचल बल्कि समूचे उत्तर भारत की खेल विरासत को एक नया आयाम देगा।

इस भव्य स्टेडियम का डिजाइन भगवान शिव को समर्पित है। संपूर्ण स्वरूप में काशी की सांस्कृतिक छाया देखी जा सकती है। प्रवेश द्वार से लेकर छत और दीवारों तक में शिव-संस्कृति की झलक दिखाई देगी। विशेष बात यह है कि यह स्टेडियम दिव्यांगजनों के लिए पूर्णतः सुलभ होगा। विशेष रैंप, सीटिंग जोन, शौचालय एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था होगी, जिससे समावेशी खेल संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से शिलान्यास हो चुके इस प्रोजेक्ट की लगातार निगरानी उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ, राज्य निर्माण निगम और जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा की जा रही है। बनारस वासियों को अब न केवल गंगा, घाट और ज्ञान की धरती बल्कि गेंद और बल्ले के नए संग्राम स्थल के रूप में भी पहचान मिलने जा रही है।

खेल जगत और पूर्वांचलवासियों के लिए यह एक गौरवशाली क्षण होगा जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

हाथों गंजारी में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का लोकार्पण करेंगे. यह वही स्टेडियम है, जिसका शिलान्यास स्वयं प्रधानमंत्री ने 23 सितंबर 2023 को किया था, और जिसे बनारस सहित समूचा पूर्वांचल लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहा है। करीब 400 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह स्टेडियम न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी करेगा, बल्कि पूर्वांचल के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए ट्रेनिंग और अवसरों के नए द्वार भी खोलेगा। यहां 30,000 से अधिक दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। स्टेडियम में 30,000 से अधिक दर्शकों के बैठने की सुविधा होगी। अत्याधुनिक फ्लडलाइट्स, डिजिटल स्कोरबोर्ड, मीडिया गैलरी, कॉर्पोरेट बॉक्स और प्लेयर्स लॉन्ज जैसी सभी सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार की जा रही हैं। बीसीसीआई से अनुमोदन के बाद यहां टेस्ट, वनडे, टी-20 और आईपीएल जैसे बड़े टूनार्मेंट भी कराए जा सकेंगे। यह स्टेडियम केवल मैच आयोजन स्थल नहीं, बल्कि एक पूर्ण खेल परिसर के रूप में विकसित हो रहा है। यहां क्रिकेट अकादमी, प्रशिक्षण केंद्र और स्पोर्ट्स साइंस लैब की भी स्थापना की जा रही है, जिससे पूर्वांचल के उभरते खिलाड़ी अब मुंबई, दिल्ली या बेंगलुरु जाने को मजबूर नहीं होंगे। यह स्थान उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के अंतर्गत उच्चस्तरीय कोचिंग, फिटनेस और रणनीतिक प्रशिक्षण का केंद्र बनेगा। हालांकि प्रारंभिक लक्ष्य मार्च 2025 था, लेकिन तकनीकी जटिलताओं और कुछ संरचनात्मक संशोधनों के चलते अब इसे मार्च 2026 तक पूरी तरह तैयार करने का संशोधित लक्ष्य रखा गया है। इसके बावजूद, अधिकारियों के अनुसार, आंशिक कार्य पूरा होने पर मैच आयोजन की शुरूआत हो सकती है।

गंजारी स्टेडियम के चालू होते ही वाराणसी में खेल पर्यटन को भी नया बल मिलेगा। बड़े आयोजनों के चलते होटल, परिवहन, खानपान और छोटे व्यवसायों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ होगा। युवाओं के लिए रोजगार और स्वयंरोजगार के अवसर भी बनेंगे। पूर्वांचल में यह पहला अवसर होगा जब इतनी भव्य और समर्पित खेल अधोसंरचना तैयार की जा रही है। यह स्टेडियम काशी के गौरवगाथा में एक नया अध्याय जोड़ेगा, जहाँ अध्यात्म के साथ अब खेलों की शक्ति भी दुनिया देखेगी। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि गंजारी में बन रहा यह स्टेडियम न सिर्फ ईंट, पत्थर और छत का ढांचा है, बल्कि यह पूर्वांचल की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों और काशी की सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक है। इसके पूर्ण होते ही वाराणसी न केवल अध्यात्म और संस्कृति की नगरी के रूप में जानी जाएगी, बल्कि खेल महाशक्ति के रूप में भी नई पहचान पाएगी।

वसई की 47.50 हेक्टेयर शासकीय भूमि के विकास की मांग तेज

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने आयुक्त को लिखा पत्र, मेडिकल कॉलेज, फुटबॉल स्टेडियम व नाट्यगृह का प्रस्ताव

वसई रोड। वसई तालुका के दिवाणमान क्षेत्र में स्थित सर्वे क्रमांक 176 की लगभग 47.50 हेक्टेयर शासकीय भूमि के विकास को लेकर पहल तेज हो गई है। वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वसईझविरार शहर महानगरपालिका के आयुक्त को पत्र लिखकर इस भूमि के सुनियोजित विकास हेतु त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उक्त भूमि पर क्रीड़ा संकुल, सेंट्रल हॉस्पिटल, वाहनतल और खेल के मैदान जैसे महत्वपूर्ण आरक्षण पहले से मौजूद हैं, लेकिन अब तक इनका समुचित विकास नहीं हो पाया है। स्थानीय नागरिकों की आवश्यकताओं, वसई की भौगोलिक स्थिति तथा पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए विधायक ने इस भूमि के नियोजित विकास का प्रस्ताव रखा है। प्रस्ताव के अनुसार क्रीड़ा संकुल में आधुनिक फुटबॉल स्टेडियम और स्केटिंग सुविधाएं विकसित की जाएं। वाहनतल के आरक्षण में से एक वाहनतल को यथावत रखते हुए दूसरे वाहनतल के स्थान पर नाट्यगृह के निर्माण का सुझाव दिया गया है। वहीं सेंट्रल हॉस्पिटल के आरक्षण स्थल पर मेडिकल कॉलेज सहित अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित करने की मांग की गई है। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने पत्र में यह भी आग्रह किया है कि उक्त भूमि को शीघ्र राजस्व विभाग से वसईझविरार महानगरपालिका के अधीन लेने की प्रक्रिया पूरी की जाए, ताकि विकास कार्य तुरंत शुरू किए जा सकें। उनका कहना है कि इस परियोजना के पूर्ण होने से वसई के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, खेल सुविधाएं और सांस्कृतिक मंच उपलब्ध होंगे।

वसई क्राइम ब्रांच ने 5.6 करोड़ रुपये के ड्रग मामले में आरोपी नाइजीरियाई नागरिक को किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। बसई स्थित क्राइम ब्रांच सेल 2 ने आरोपी को हिरासत में लिया, और उससे 5.6 मिलियन रुपये मूल्य की एम्फैटेमिन जब्त की है। वसई स्थित क्राइम ब्रांच सेल 2 के अधिकारी और कर्मचारी 5 करोड़ 60 लाख 40 हजार 150 रुपये मूल्य की मेफेड्रोन (एम.डी.) नामक मादक पदार्थ की जब्ती के मामले में गहन जांच कर रहे थे। यह मामला मादक पदार्थ एवं मनोरोगी पदार्थ अधिनियम, 1985 (एनडीपीएस अधिनियम) की धारा 8 (ए), 21, 21 (ए), 22, 29 और विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा 14 के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इस अपराध में आरोपी हेनरी उचेन्ना उवाकवे का पूरा नाम और पता अज्ञात है। वसई स्थित क्राइम ब्रांच सेल 2 के अधिकारी और कर्मचारी गहन जांच कर रहे थे। वसई स्थित क्राइम ब्रांच सेल 2 के सफूज मुकेश पवार के गुप्त सूचना पत्र के माध्यम से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी कलम राजोडी क्षेत्र में छिपा हुआ है। प्राप्त सूचना के आधार पर, अधिकारियों और वसई कार्यालय स्थित अपराध शाखा कक्ष 2 के अनमलदार ने आरोपी की तलाश की और उसे 17/12/2025 को दोपहर 3:45 बजे कलाम्ब से राजोदी रोड, विरार पश्चिम से गिरफ्तार किया। आरोपी, जिसका नाम उवाकवे हेनरी उचेन्ना उर्फ हेनरी उचेनवेउ वाकवे है, एक नाइजीरियाई नागरिक है। उसे गिरफ्तार किया गया और उसके पास से एम्फैटेमिन नामक मादक पदार्थ बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम और पताः उवाकवे हेनरी उचेन्ना उर्फ हर्नी उवाचेकुवे (उवाकवे हेनरी उचेन्ना @ हेनरी उचेनवेउ वकवे उम्र -38, एड-नाइजीरिया, राज्य, 22 स्ट्रीट कुबवा, एयरपोर्ट रोड, अदुजा) वर्तमान में रहते हैं। नालासोपारा पश्चिम

आरोपी के पास से कुल 280 ग्राम एम्फैटेमिन और 56,12,000 रुपये मूल्य का एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। उसके खिलाफ अरनाला सागरी पुलिस स्टेशन में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस एक्ट, 1985 (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 8(ए), 21, 21(सी) 22 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अरनाला सागरी पुलिस स्टेशन द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है। मा, द्वारा उपरोक्त प्रदर्शन उत्कृष्ट रूप से किया गया है। निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, मा. दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, मा. संदीप डोईफोडे, पुलिस उपायुक्त (अपराध), मा, मदन बल्लाल, छठे पुलिस आयुक्त (अपराध), अपराध शाखा-2 वसई इकाई के पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे, छठे पुलिस निरीक्षक सोपान पाटिल, पौपानिरी संतोष घाडगे, अजीत गिते, सहफौज संजय नवले, मुकेश पवार, रवींद्र पवार, मनोज मोरे, चंदन मोरे, पोहवा प्रफुल्ल पाटिल, सचिन पाटिल, जगदीश गोवारी, राहुल करपे, दिलदार शेख, दादा अडके, पोम अनिल साबले, अक्षय बांगर, मसुब रामेश्वर केकन और सफौज संतोष चव्हाण साइबर शाखा।

युवा आविष्कारकों ने शिक्षा मंत्रालय के स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन- हार्डवेयर एडिशन ग्रैंड फिनाले में जीत हासिल की

मुंबई/हैदराबाद। शिक्षा मंत्रालय के स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 -हार्डवेयर एडिशन का 8वाँ संस्करण, वीएनआर विघ्नन ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी , हैदराबाद में एक भव्य समापन समारोह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिक्षा मंत्रालय द्वारा नामित नोडल सेंटर के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में, 10 राज्यों के 22 प्रमुख संस्थानों की 25 फाइनलिस्ट टीमों के 150 छात्रों ने भाग लिया, जिसने इसे साल के सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय छात्र नवाचार समारोहों में से एक बना दिया। शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा AICTE के सहयोग से आयोजित SIH 2025 का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय चुनौतियों के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान विकसित करना था। प्रत्येक विजेता टीम को 75,000 का नकद पुरस्कार मिला। इन नवाचारों ने नदी के पानी की गुणवत्ता की निगरानी, अक्षय ऊर्जा एकीकरण, बिजली वितरण सुरक्षा, यूएवी-आधारित निगरानी प्रणाली और स्मार्ट बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्रों का समाधान किया। इनमें स्केलेबिलिटी, पेटेंटिंग और वास्तविक दुनिया में उपयोग की मजबूत क्षमता दिखी। जल शक्ति मंत्रालय के NMCG में सूचना विशेषज्ञ, इंजीनियर पीयूष गुप्ता ने कहा, ३छात्रों द्वारा यहाँ प्रस्तुत किए गए समाधानों का जमीन पर सीधा उपयोग संभव है, और मंत्रालय इन विचारों को आगे बढ़ाने के लिए विजेता टीमों के साथ सहयोग करने पर विचार करेगा। मैं नहीं चाहता कि छात्र अपनी इस यात्रा को यहीं समाप्त करें। VNR विघ्नन ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक, डॉ. बी. चेन्नाकेसवा राव ने टिप्पणी की, स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन छात्रों को टीमवर्क, समय प्रबंधन और दबाव में भी लगे रहने का सही मूल्य सिखाता है।

गुरु नानक डिग्री कॉलेज गर्ल्स क्रिकेट टीम ने किया जिया का आगाज

मुंबई (उत्तर शक्ति)18 दिसंबर 2025 दिन गुरुवार को खालसा कॉलेज क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे टी 20 यूनिवर्सिटी टूनार्मेंट में सायन कोलीवाड़ा गुरु नानक डिग्री कॉलेज गर्ल्स क्रिकेट टीम ने विद्यालंकार कॉलेज, वडाला को हराया। विपक्षी टीम 99 रन पर ऑल आउट हो गई।

सनिका खैरनारा ने 4 ओवर में 9 रन देकर 4 विकेट लिए। साइरा खान और कीसर दास ने शानदार कैच लपके, सोनिया दिगवाल सहित सभी खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बल्लेबाजी में सनिका खैरनारा ने 46 रन बनाए, आर्या केसारकर 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। सायन कोलीवाड़ा गुरु नानक डिग्री कॉलेज गर्ल्स क्रिकेट टीम ने बिना कोई विकेट खोए मैच जीत लिया। गुरु नानक गर्ल्स खिलाड़ियों की सभी लोगों ने खूब तारीफ करते हुए क्रिकेट टीम के कोच सुजीत सिन्हा के सुनियोजित और बेहतरीन सशक्तिकरण टीम को आगे बढ़ाने के लिए सभी ने खूब सराहना की।

रोजगार से बदलेगा भविष्य, हर हाथ को काम, मजबूत होगा परिवार

यूपी से ग्लोबल जॉब मार्केट तक युवाओं की उड़ान

वाराणसी। उत्तर प्रदेश अब बेरोजगारी से संघर्ष करने वाला राज्य नहीं, बल्कि रोजगार के नए अवसर गढ़ने वाला और युवाओं को वैश्विक मंच तक पहुंचाने वाला अग्रणी राज्य बनता जा रहा है। इसी दावे के साथ गुरुवार को पांडेयपुर स्थित एक होटल में पत्रकारों से बातचीत के दौरान श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्डहर हाथ को कामड्ड के संकल्प को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है। सरकार का उद्देश्य केवल देश के भीतर ही नहीं, बल्कि प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को दुनिया भर में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। श्रम मंत्री ने कहा कि सेवायोजन विभाग देश और विदेशों में निरंतर रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है। इससे न केवल बेरोजगार युवाओं को नौकरी मिल रही है, बल्कि उनके परिवारों का सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण भी हो रहा है। सरकार देश-विदेश में कार्यरत श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

काशी रोजगार महाकुंभ से वैश्विक मंच तक

श्रम मंत्री ने बताया कि वाराणसी में आयोजित काशी रोजगार महाकुंभ और उससे पहले लखनऊ में हुए रोजगार महाकुंभ के माध्यम से हजारों युवाओं को नौकरी के अवसर मिले। उन्होंने दावा किया कि आज उत्तर प्रदेश की बेरोजगारी दर देश में सबसे न्यूनतम स्तर पर है, जो स्वतंत्रता के बाद पहली बार देखने को मिली है।

यूपी को मिला अंतरराष्ट्रीय भर्ती का अधिकार

अनिल राजभर ने बताया कि भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश को ग्लोबल हायरिंग लाइसेंस प्रदान किया है। अब प्रदेश सरकार सीधे किसी भी देश की सरकार से समझौता कर अपने युवाओं को विदेशों में रोजगार दिला सकेगी। इससे फर्जी एजेंटों और धोखाधड़ी पर भी प्रभावी रोक लगेगी।

रोजगार के मोर्चे पर भाजपा सरकार की बड़ी उपलब्धि

उन्होंने आंकड़ों के माध्यम से बताया कि 2007 से 2012 के बीच केवल 38 हजार सरकारी नौकरियां दी गईं। 2012 से 2017 के दौरान 1.39 लाख सरकारी नौकरियां मिलीं। 2017 के बाद भाजपा सरकार ने 8 वर्षों में 9 लाख सरकारी और 14 लाख निजी क्षेत्र की नौकरियां सृजित कीं।

मुंबई, सूरत और बेंगलुरु तक पहुंचेगा अभियान

श्रम मंत्री ने बताया कि नोएडा और वाराणसी के बाद आने वाले दिनों में मुंबई, सूरत और बेंगलुरु जैसे औद्योगिक शहरों में भी ऐसे रोजगार सेमिनार आयोजित किए जाएंगे, ताकि प्रदेश के अधिकतम युवाओं को रोजगार का अवसर मिल सके। उत्तर प्रदेश अब रोजगार की तलाश में नहीं, बल्कि दुनिया को कुशल मानव संसाधन देने वाला राज्य बनकर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। श्रम मंत्री ने कहा कि यह आयोजन इस बात पर मंथन के लिए है कि प्रदेश के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे अवसर दिलाए जाएं। इसमें देश-विदेश से जुड़े रोजगार विशेषज्ञों की भागीदारी रही।

इसके पूर्व रोजगार मिशन लागू होने के बाद बदलते दौर में सेवायोजन विभाग की योजनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से उसी होटल में इंटरनेशनल मोबिलिटी कॉन्क्लेव - 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन समन्वय मंत्री अनिल राजभर ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर डा. एम.के. शन्मुगा सुंदरम (प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन), सतेन्द्र कुमार (जिलाधिकारी), हिमांशु नागपाल (नगर आयुक्त), पी.के. पुंडीर (अपर निदेशक, सेवायोजन), सुनील शाह, सुरभि सिंह (कंट्री कोऑर्डिनेटर) और कैथरीन लाज (आईएलओ) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी व विशेषज्ञ मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में जीएसटी से संबंधित समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जीएसटी से संबंधित समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा जीएसटी राजस्व संग्रह, पंजीकरण, रिटर्न दाखिले की स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीएसटी के अंतर्गत अधिक से अधिक व्यापारियों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व वृद्धि के लिए प्रवर्तन कार्यवाही को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। बैठक में जीएसटी विभाग के अधिकारियों द्वारा अब तक की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले क्षेत्रों में सुधार लाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, डिप्टी कमिश्नर वाणिज्य के सुरेन्द्र कुमार कैथल, डी.सी. अक्षयलाल सहित विभाग के अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा में फूल कुमार झा को जिला सचिव बनाया गया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। यह कार्यक्रम में मीरा भायंदर के कार्य सम्राट विधायक नरेन्द्र मेहता, और कार्यकताओं की सही परख रखने वाले जिला अध्यक्ष दिलीप जैन, द्वारा किया गया। फूल कुमार झा ने कहा कि महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, एवम महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवीन्द्र चव्हाण, और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नव नियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष नितिन नवन, के आशीर्वाद से मुझे मीरा भायंदर भाजपा जिला सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। मैं एक छोटा सा पार्टी का सेवक होने के नाते अपने सभी महानुभावों को सादर नमन करता हूं। साथ ही मीरा भायंदर के सभी नेता और कार्यकताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिनके सहयोग से मुझे यह सम्मान प्राप्त हुआ है।

खाद की कीमत में विक्रेताओं की मनमानी

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज बजार सहित ग्रामीण इलाके में स्थित खाद विक्रेताओं द्वारा निर्धारित दर से अधिक कीमत पर खाद बेचने की शिकायतें स्थानीय किसानों से मिल रही हैं। किसानों का आरोप है कि डीएपी, पोटाश और यूरिया जैसी खादें खुले बाजार में मनमाने दामों पर बेची जा रही हैं, जिससे उनका आर्थिक शोषण हो रहा है। प्रशासन से प्रभावी नियंत्रण की मांग की गई है, ताकि किसानों को राहत मिल सके। अधिक मूल्य से मिलने के कारण खुलेआम किसानों का आर्थिक शोषण हो रहा है। इस कारण किसानों में आक्रोश व्याप्त है। मालूम हो कि अक्टूबर में भारी बारिश से खेतों में पानी भर गया था। इस कारण रबी की खेती देर से शुरू हुई। और ऐसे में सरकारी एजेंसियां जैसे बिस्कोमान गोदाम में डीएपी व अन्य उर्वरक का स्टौक खत्म हो गई है। पोखरा गांव निवासी गांव निवासी किसान अशोक सिंह, कृष्णा साह, महुआरी गांव निवासी चंदन कुमार, वीरेंद्र प्रसाद, अशर्फी प्रसाद, सिकंदरपुर निवासी जगनारायण सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर नहीं डीएपी खाद खुले बाजार में 1800 रुपए तक बिक रही है।

राकेश सिंह राणा बीजेपी बिहार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में राकेश सिंह राणा को भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता, एवं अध्यक्ष दिलीप जैन, और मीरा भायंदर के बिहारी समाज के उपस्थिति में किया गया। राकेश सिंह ने कहा कि यह प्रेम और समर्थन के साथ से यह दायित्व प्राप्त करना मेरे लिए गर्व, सम्मान और प्रेरणा का विषय है। इस विश्वास और अवसर के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। जिला अध्यक्ष के रूप में मिली इस नई जिम्मेदारी को पूरी ऊर्जा, निष्ठा और संकल्प के साथ स्वीकार करता हूं। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करते हुए, कार्यकताओं को साथ लेकर, पार्टी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए निरंतर संघर्ष और समर्पण के साथ नेतृत्व करने का दृढ़ संकल्प लेता हूं। सेवा, संगठन और समर्पण यही मेरा संकल्प हैं।

डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने संसद में यात्रियों की सुविधा के लिए नए रेलवे स्टॉप की मांग उठाई

पालघर। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने संसद में यात्रियों की सुविधा को लेकर महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने नए रेलवे स्टॉप, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को लेकर केंद्र सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की।

डॉ. सावरा ने बताया कि पालघर लोकसभा क्षेत्र में रेलवे से जुड़े विकास कार्य अच्छी गुणवत्ता और तेज गति से चल रहे हैं, जो यात्रियों के लिए बड़ी राहत की बात है। वसई में एक मेगा रेलवे टर्मिनल का निर्माण किया जा रहा है, वहीं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पालघर स्टेशन का समग्र विकास जारी है। इसके साथ ही देश की उन्नत परिवहन व्यवस्था की पहचान बुलेट ट्रेन परियोजना भी पालघर ज़िले से होकर गुजर रही है।

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, पालघर स्टेशन पर 104 ट्रेनों के स्टॉप, बोइसर स्टेशन पर 99 ट्रेनों के स्टॉप को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, उन्होंने बांद्रा-रामनगर एक्सप्रेस को बोइसर स्टेशन पर स्टॉप देने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. सावरा ने कहा कि यात्रियों की रोजमर्रा की समस्याओं को देखते हुए दादर-भुसावल खानदेश एक्सप्रेस और दादर-भुसावल स्पेशल एक्सप्रेस को दहानू रोड स्टेशन पर ठहराव दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 2 बजे लोकल ट्रेन सेवा उपलब्ध न होने के कारण मजदूरों, विद्यार्थियों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। दहानू क्षेत्र के यात्रियों के लिए यह स्टॉप बेहद जरूरी है। इसके साथ ही, सांसद ने पालघर ज़िले के उमरोली, वैतरणा, घोलवाड़ और बोरडी रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठाए। इन स्टेशनों पर प्रोटेक्टिव शेड, एस्केलेटर, लिफ्ट, रिटर्न टिकट सुविधा और अन्य आवश्यक यात्री सुविधाओं की उपलब्धता व निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी मांगी गई। इन स्टेशनों का रोजाना हजारों यात्री उपयोग करते हैं, लेकिन सुविधाओं की कमी के कारण विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, दिव्यांगों और छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन स्टेशनों के तत्काल विकास की मांग की गई है। इस अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने कहा पालघर लोकसभा क्षेत्र के नागरिकों को सभी रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षित, सुविधाजनक और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता है। इस विषय में मैं केंद्र सरकार और रेलवे प्रशासन के साथ लगातार फॉलो-अप करता रहूंगा।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को सशक्त बनाता है एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया

मुंबई/दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के समर्थन में, एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया ने अपने विभिन्न विलेज स्थानों पर बाल विवाह की रोकथाम को लेकर एक जागरूकता अभियान चलाया।

इस राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य बाल विवाह की रोकथाम को लेकर समुदाय की समझ को सुदृढ़ करना और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के महत्व को उजागर करना था। समुदाय के सदस्यों को विवाह की कानूनी न्यूनतम आयु के बारे में जागरूक किया गया—लड़कियों के लिए 18 वर्ष और लड़कों के लिए 21 वर्ष। सत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि उचित आयु में विवाह करने से बेहतर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है, बच्चों को अपना बचपन जीने, शिक्षा जारी रखने और आत्मविश्वासी एवं आत्मनिर्भर व्यक्ति बनने का अवसर मिलता है। सत्रों के अंत में, सभी प्रतिभागियों ने बाल विवाह को रोकने की शपथ ली। ये सत्र फैमिली स्ट्रेंथनिंग प्रोग्राम, फैमिली लाइक केयर प्रोग्राम और किनशिप केयर प्रोग्राम के संयुक्त प्रयास के तहत आयोजित किए गए। एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया के सीईओ, सुमंत कर ने कहा, हमारे विभिन्न कार्यक्रम स्थलों पर बच्चों ने भारत में बाल विवाह को समाप्त करने के उद्देश्य से आयोजित इस जागरूकता अभियान में भाग लिया, जो केंद्र सरकार के ड्डबाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अनुरूप है। इसमें शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभिभावकों, समुदाय के सदस्यों और हितधारकों को समान उत्साह के साथ आगे आना चाहिए ताकि सही संदेश बच्चों तक पहुँचे। हमें सभी को मिलकर बच्चों के अधिकारों और कल्याण की वकालत करनी चाहिए तथा बाल विवाह के किसी भी मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को देनी चाहिए।

बॉलीवुड में वह निडरता और महत्वाकांक्षा है जो हॉलीवुड में नहीं दिखतीः जोनाथन नोलन

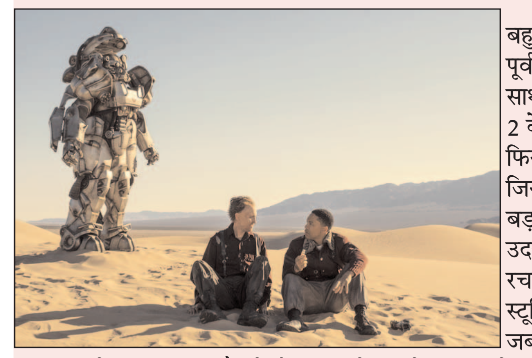

मुंबई। आज के वैश्विक मनोरंजन परिदृश्य में, बहुत कम निमार्ता ऐसे हैं जो जोनाथन नोलन की तरह पूर्व और पश्चिम के बीच के अंतर को संवेदनशीलता के साथ खत्म कर रहे हैं। जैसे की वह फॉलआउट सीजन 2 के प्रीमियर की तैयारी कर रहे हैं, नोलन ने एक बार फिर भारतीय सिनेमा पर बात की—उस देश के बारे में, जिसके फिल्म उद्योग को वह पहले ही हॉलीवुड से बड़ा बता चुके हैं। नोलन के लिए, भारतीय सिनेमा का उदय केवल आकार या पैमाने की बात नहीं है; यह उस रचनात्मक भावना के बारे में है, जो उन्हें पारंपरिक स्टूडियो सिस्टम में तेजी से कम होती दिखाई देती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या चीज बॉलीवुड को हॉलीवुड से खास बनाती है, तो लेखक-निर्देशक ने कहा, मुझे लगता है यह बहुत स्पष्ट है, और आप दुनिया भर में भारतीय फिल्म निर्माण के प्रति एक खास आकर्षण देख ही रहे हैं। अपने सर्वोत्तम रूप में यह निडर है। हॉलीवुड भी ऐसा हो सकता है। लेकिन (भारत में) एक ऐसी महत्वाकांक्षा है जो बेहद रोमांचक है। यह निडर दृष्टिकोण नोलन के फॉलआउट पर काम करने के अंदाज को भी दशार्ता है, जहाँ दांव बहुत ऊँचे हैं और दुनिया बनाने में कोई समझौता नहीं होता। प्रशंसित सीरीज का दूसरा सीजन अमीरों और गरीबों की कहानी को आगे बढ़ाता है, जो एक तेजी से खराब होती दुनिया में ज़िंदा रहने के लिए लगातार लड़ रहे हैं, जहाँ अब पाने के लिए लगभग कुछ भी नहीं बचा है। महाप्रलय के दो सौ साल बाद, लक्जरी फालआउट शेल्टर के शांतिप्रिय निवासी मजबूर होकर उस रेडिएटेड नरक में लौटते हैं जिसे उनके पूर्वजों ने पीछे छोड़ा था - और यह देखकर चौंक जाते हैं कि उनके लिए एक बेहद जटिल, अजीबो-गरीब, और अत्यधिक हिंसक दुनिया इंतजार कर रही है। अब जब सीजन 2 आ चुका है और सीजन 3 भी जल्द ही आने वाला है, तो फॉलआउट की टीम– भारतीय फिल्मकारों की तरह, जिनकी प्रशंसा नोलन करते हैं—धीमे पड़ने के मूड में बिल्कुल नहीं है। किल्टर फिल्म्स द्वारा निर्मित, बहुप्रतीक्षित फॉलआउट सीजन 2 का प्रीमियर भारत में 17 दिसंबर को विशेष रूप से प्राइम वीडियो किया गया, इसके पहले तीन एपिसोड हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में डब के साथ अंग्रेजी में रिलीज किए गए हैं।

KT&G ने दिल्ली NCR में नकली सिगरेट की सप्लाई चेन को रोकने के लिए कोऑर्डिनेटेड रेड की

मुंबई। केटी एंड जी (KT&G) ने भारत में नकली एरएए सिगरेट के गैरकानूनी कारोबार को रोकने के लिए देश की प्रमुख लॉ फर्म S.S. Rana & Co. और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर दिल्ली-एनसीआर में बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान 14 थोक विक्रेताओं पर एक साथ छापेमारी की गई, जहां लोकल कमिश्नरों ने एरएए ब्रांड के नाम से बिक रहे सभी संदिग्ध और नकली सिगरेट के पैकेट जब्त कर लिए। इसके साथ ही वहां मौजूद कागजातों की भी जांच की गई. पता चला कि यह पूरा कारोबार बिना किसी सही व्यवस्था के चल रहा था और किसी भी दुकानदार के पास लेन-देन या माल से जुड़ा कोई ठीक-ठाक रिकॉर्ड मौजूद नहीं था। इस एकसाथ की गई कार्रवाई से बाजार में हड़कंप मच गया है, नकली सिगरेट की सप्लाई चेन को बड़ा झटका लगा है और इस अवैध धंधे से जुड़े लोगों को साफ संदेश मिला है कि ऐसे गैरकानूनी कामों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। KT&G ने दिल्ली-एनसीआर में अवैध गतिविधियां चलाने वाले कुल 14 आरोपियों के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में मामला दर्ज कराया है। माननीय अदालत के निर्देश पर ही यह छापेमारी की गई ताकि नकली एरएए सिगरेट के गैरकानूनी कारोबार पर सख्ती से रोक लगाई जा सके। ये छापेमारी KT&G की बड़ी योजना का हिस्सा हैं, जिसका मकसद मार्केट में नियमों का पालन कराना, ग्राहकों के हक की सुरक्षा करना और नकली या खतरनाक एरएए सिगरेट के फैलाव को रोकना है। भारत के कई शहरों में अभी भी अवैध और नकली तंबाकू उत्पाद तेजी से बढ़ रहे हैं। ङ्ख&ड्ढने बताया कि जल्द ही और भी ऐसी छापेमारी पूरे शहरों में की जाएंगी और देशभर में सख्त अभियान चलाए जाएंगे। इसके तहत मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद में भी आगामी ऑपरेशन होंगे। देशभर में चल रहे इस अभियान पर KT&G के मुख्यालय के आईपी डिविजन के निदेशक यंग-हुन किम ने कहा, 'ऐसी छापेमारी KT&G की मजबूत संचालन प्रणाली और ग्राहकों की सुरक्षा की प्रतिबद्धता का हिस्सा हैं।